करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

दिसंबर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश....4

- स्पोर्टएज मेरठ का शुभारंभ....4
- DMSRDE में रक्षा नवाचारों की समीक्षा....5
- काशी तमिल संगमम 4.0....6
- गंगा-यमुना जल मार्ग परिवर्तन योजना....7
- NMDC का IIT कानपुर के साथ समझौता....8
- गतिशक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा....8
- CDS बिपिन रावत ऑडिटोरियम....10
- उत्तर प्रदेश में व्यय की प्रवृत्ति....11
- उत्तर प्रदेश और IIT-रुड़की कार्बन क्रेडिट मॉडल लॉन्च किया....12
- भारत का पहला स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल पोत....13
- दीपावली यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल....14
- पहला आधिकारिक माघ मेला लोगो लॉन्च....15
- विशेष अभियान 5.0 के तहत माइक्रो फॉरेस्ट का उद्घाटन....16
- वाराणसी : रेलवे लोकोमोटिव निर्यात का केंद्र....16
- गोरखपुर में भारत का पहला वन विश्वविद्यालय....17
- आगरा में डिजिटल पुस्तकालय....18
- तीसरा संसद खेल महोत्सव....18
- लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन....19
- पार्वती-अरगा पक्षी अभयारण्य इको-सेंसिटिव ज़ोन घोषित....20
- विपणन विकास सहायता योजना....21

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स....22

- विश्व एड्स दिवस 2025....22
- वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025....24
- भारत IMP काउंसिल में पुन: निर्वाचित....25
- एयर मार्शल तेजबीर सिंह महानिदेशक (निरीक्षण एवं सुरक्षा) नियुक्त....26
- सैटेलाइट-लिंक्ड हेरॉन एमके II (UAVs)....27
- विवेक चतुर्वेदी CBIC प्रमुख नियुक्त....28
- ALIMCO का 53वाँ स्थापना दिवस....29
- संचार साथी ऐप....30
- असम दिवस....31
- नौसेना दिवस 2025....32

The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- ऑपरेशन सागर बंधु ... 33
- भारत-मालदीव संयुक्त सैन्य अभ्यास ... 34
- ज्ञानेश कुमार ने IDEA परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की ... 34
- भारत की प्रथम पूर्णत: विद्युत चालित टग परियोजना ... 35
- खुदीराम बोस जयंती ... 36
- अंटार्कटिका दिवस ... 37
- BSF स्थापना दिवस ... 38
- नागालैंड राज्य दिवस ... 40
- अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस ... 41
- EARTH समिट 2025 ... 41
- हस्तशिल्प पुरस्कार ... 43
- डॉ. अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस ... 43
- मानव अधिकार दिवस ... 44
- बंगलूरू में UNSW कैंपस ... 46
- सशस्त्र सेना झंडा दिवस ... 48
- बंगलूरू में नया रक्षा MRO हब ... 49
- वैश्विक ऊर्जा नेताओं का शिखर सम्मेलन (GELS) 2025 ... 50
- सी. राजगोपालाचारी जयंती ... 51
- सुजलाम भारत ऐप ... 53
- प्राडा द्वारा कोल्हापुरी डील साइन ... 53
- प्रणब मुखर्जी की जयंती ... 54
- भारत को जूनियर हॉकी में ऐतिहासिक कांस्य पदक ... 55
- राज कुमार गोयल ने CIC पद की शपथ ली ... 56
- भारत में पारंपरिक चिकित्सा पर द्वितीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन ... 57
- परमाणु ऊर्जा रूपांतरण विधेयक, 2025 ... 58
- रक्षा संपदा दिवस का शताब्दी वर्ष समारोह ... 59
- भारत और ADB के बीच विकास ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर ... 60
- भू-स्थानिक मिशन पर राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यशाला ... 61
- मार्च 2027 तक 25,000 जन औषधि केंद्र ... 61
- सहकार सारथी ... 62
- नमस्ते योजना: सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों का सर्वेक्षण ... 62
- आंध्र प्रदेश में व्हाइट स्पॉट डिज़ीज ... 63
- नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025 ... 64
- नई दिल्ली में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन ... 64
- किम्बर्ले प्रक्रिया की अध्यक्षता करेगा भारत ... 65
- वीर बाल दिवस ... 66
- अगरबत्ती के लिये नया BIS मानक ... 66
- FIDE विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2025 ... 67
- के-4 बैलिस्टिक मिसाइल ... 67
- भारत टैक्सी पहल ... 68

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

उत्तर प्रदेश

स्पोर्टएज मेरठ का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

जयंत चौधरी, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री, केंद्रीय मंत्री ने **भारत की वैश्विक खेल निर्माण** स्थिति को गति देने, नवाचार और उद्यम को बढ़ावा देने तथा मेरठ को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये **स्पोर्टएज मेरठ का शुभारंभ** किया।

- उन्होंने **मेरठ** के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में **खेल सामान निर्माण में एक उत्कृष्टता केंद्र** और एक समर्पित बैडमिंटन रैकेट यूनिट का भी उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

स्पोर्टएज मेरठ

- **सहयोग ढाँचा:** स्पोर्टएज, स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लेज़र स्किल्स काउंसिल (SPEFL-SC), ब्रिटिश एशियन इंडिया फाउंडेशन (बीएआईएफ) और नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल ट्रेनिंग (NEST) पहल के साथ साझेदारी करता है। इसका उद्देश्य **साक्ष्य-आधारित शिक्षा** का निर्माण करना और पूल की गई कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी (सीएसआर) सहायता के माध्यम से क्लस्टर संचालन को मज़बूत करना है।
- **उद्यम विकास:** BAIF और NEST लक्षित निवेश और क्षमता निर्माण के माध्यम से 5,000 से अधिक **नैनो-उद्यमियों** को सशक्त बनाएंगे, साथ ही कारीगरों, उद्यमों तथा युवाओं को आधुनिक कौशल, प्रौद्योगिकी एवं वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच प्रदान करेंगे।
- **पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोण:** यह पहल भारत के खेल क्षेत्र में समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिये सरकार, उद्योग, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) भागीदारों, स्पोर्ट्स एंड सोसाइटी एक्सेलेरेटर (SSA), गैर-सरकारी संगठनों (NGO) और अंतराष्ट्रीय निकायों को एकजुट करती है।
- **प्रभाव लक्ष्य:** स्पोर्टएज का लक्ष्य मेरठ को एक प्रमुख खेल निर्माण केंद्र बनाना है। इसके लिये **1,000 महिला-नेतृत्व वाले नैनो-उद्यमों को बढ़ाया** जाएगा, आय में कम-से-कम 25% की वृद्धि की जाएगी, 1 लाख रुपये की वार्षिक कमाई सुनिश्चित की जाएगी और **दीर्घकालिक ऋण पहुँच** में सुधार किया जाएगा। इस मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर दोहराने की भी संभावना है।

खेल सामान नर्िमाण में उत्क्ृष्टता केंद्र्

- **परिचय:** स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन, फिटनेस एंड लेज़र स्किल्स काउंसिल (SPEFL-SC) और प्रमुख उद्योग भागीदारों के समर्थन से स्थापित, यह उत्कृष्टता केंद्र उन्नत खेल सामान निर्माण तथा प्रशिक्षण के लिये एक **अत्याधुनिक सुविधा** के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- **कौशल विकास:** यह केंद्र **युवाओं और स्थानीय कारीगरों को आधुनिक तकनीकी कौशल** से लैस करने, उत्पाद डिज़ाइन तथा गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने एवं कुशल निर्माण भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उद्योग-शैक्षणिक संबंध:** यह उत्कृष्टता केंद्र शैक्षणिक संस्थानों तथा उद्योग के बीच सहयोग को प्रबल करेगा, जिससे मेरठ की खेल सामान निर्माण में राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थिति और दृढ़ होगी एवं इस क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति में योगदान होगा।
- **अवसंरचना समर्थन:** सांसद और स्थानीय विधायक मेरठ में खेल अवसंरचना को उन्नत करने के लिये **स्थानीय क्षेत्र विकास निधि** आवंटित करेंगे। इससे **ज़मीनी स्तर पर सुविधाओं का विकास** तेज़ होगा और ज़िलों में अधिक समुदायिक भागीदारी तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

DMSRDE में रक्षा नवाचारों की समीक्षा

चर्चा में क्यों ?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 30 नवंबर, 2025 को कानपुर में DRDO की **रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (DMSRDE) प्रयोगशाला का दौरा किया** तथा वहाँ चल रहे रक्षा सामग्री अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की।

- इस अवसर पर उन्होंने परिसर में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को पुष्पांजलि अर्पित की और **DRDO अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत** ने उनका औपचारिक स्वागत किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रस्तुति:**
  - यात्रा के दौरान उनको DMSRDE के निदेशक द्वारा प्रयोगशाला के **विज़न, मिशन, प्रमुख परियोजनाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों** पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।
  - उन्होंने लेवल-6 बुलेटप्रूफ जैकेट, ब्रह्मोस **हेतु नेफ्थाइल ईंधन, उच्च-दबाव पॉलीमेरिक झिल्ली, सिलिकॉन कार्बाइड फाइबर, CBRN सुरक्षात्मक सूट तथा अन्य स्टील्थ-आधारित प्रौद्योगिकियों** जैसे विकसित उत्पादों की प्रशंसा की।
- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:**
  - प्रयोगशाला ने **सिरेमिक्स, स्टील्थ एवं कैमोफ्लाज सामग्री, नैनोमटेरियल्स, कोटिंग्स, पॉलिमर्स, ईंधन, लुब्रिकेंट्स, तकनीकी वस्त्र** तथा **व्यक्तिगत सुरक्षा प्रणालियों** में हुई प्रगति का प्रदर्शन किया।
- **आत्मनिर्भरता:**
  - उन्होंने पिछले दो वर्षों में व्यापक प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण की उपलब्धियों की प्रशंसा की और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत 2047 लक्ष्यों के समर्थन में रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (DTTC), लखनऊ के माध्यम से निर्यात अभिमुखता तथा MSME-**उद्योग सहभागिता** को और सुदृढ़ करने पर ज़ोर दिया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)

- **परिचय: DRDO की स्थापना वर्ष** 1958 में भारतीय सेना के **तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (TDE), तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय (DTDP)** तथा **रक्षा विज्ञान संगठन (DSO)** का संयोजन करके की गई थी।
  - DRDO भारत सरकार के **रक्षा मंत्रालय** का अनुसंधान एवं विकास विंग है।
  - आरंभ में DRDO के पास 10 प्रयोगशालाएँ थीं, वर्तमान में यह 41 प्रयोगशालाओं और 5 **DRDO युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं (DYSL)** का संचालन करता है।
- **सिद्धांत:** DRDO का मार्गदर्शक सिद्धांत "***बलस्य मूलं विज्ञानम्***" **(शक्ति विज्ञान में निहित है) है,** जो राष्ट्र को शांति और युद्ध दोनों ही स्थिति में मार्गदर्शित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मिशन:** इसका मिशन तीनों सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार भारतीय सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और उपकरणों से लैस करते हुए **महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भर** होना है।
- **DRDO के प्रौद्योगिकी क्लस्टर:** DRDO की व्यापक समीक्षा करने के लिये वर्ष 2007 में **डॉ. पी. रामा राव** की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था।
  - **इसके परिणामस्वरूप सात प्रौद्योगिकी डोमेन-आधारित क्लस्टरों** का निर्माण हुआ, जिनमें से प्रत्येक की अध्यक्षता एक महानिदेशक करता है।

काशी तमिल संगमम 4.0

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने संयुक्त रूप से वाराणसी में काशी तमिल संगमम (KTS 4.0) के चौथे संस्करण का उद्घाटन किया, जो **काशी और तमिलनाडु के मध्य विद्यमान ऐतिहासिक सांस्कृतिक सेतु** के पुनर्स्मरण का द्योतक है।

मुख्य बिंदु

- **उत्पत्ति और विकास:**
  - वर्ष 2022 में आज़ादी का अमृत महोत्सव के दौरान प्रारंभ किये गए इस संगम का उद्देश्य भारत की **गहन सांस्कृतिक विरासत** की पुनर्पुष्टि करना तथा **काशी और तमिल प्रदेश** के बीच प्राचीन काल से चले आ रहे **विचार**, **आध्यात्मिकता** तथा **संस्कृति-आदान-प्रदान** का उत्सव मनाना है।
  - वर्ष 2022 के बाद संगम के संस्करणों का क्रमिक विस्तार हुआ है—KTS 1.0 (आधार), KTS 2.0 (वृहद जनभागीदारी, वास्तविक समय तमिल अनुवाद, उच्च प्रदर्शनियाँ) तथा KTS 3.0 (ऋषि अगस्त्य-केंद्रित ज्ञान विमर्श, NEP 2020-संगत सत्र)।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का संस्करण "**आइए तमिल सीखें—तमिल करकलम**" विषय पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से तमिल भाषा-अध्ययन तथा भाषाई एकात्मता को संगमम की मूल संवेदनाओं के केंद्र में स्थापित किया गया है।
- **प्रमुख कार्यक्रम:**
  - प्रमुख पहलों में **तमिल करकलम** (वाराणसी के विद्यालयों में तमिल शिक्षण), **तमिल कारपोम** (काशी क्षेत्र के 300 विद्यार्थियों हेतु तमिल-शिक्षण अध्ययन यात्रा) तथा प्राचीन सभ्यतागत मार्गों को पुनर्स्मरण कराने वाला **ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान** सम्मिलित हैं।
- **आयोजक:**
  - **एक भारत श्रेष्ठ भारत** के अंतर्गत संचालित यह पहल शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित है, जिसे **IIT मद्रास** तथा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ज्ञान साझेदार के रूप में समर्थन दे रहे हैं। इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त रेलवे, संस्कृति, पर्यटन, **वस्त्र तथा युवा मामले एवं खेल सहित दस केंद्रीय मंत्रालयों की सक्रिय सहभागिता** सुनिश्चित की गई है।
- **अंतर-क्षेत्रीय भागीदारी:**
  - तमिलनाडु से **1,400 से अधिक प्रतिनिधि**, जिनमें **छात्र, शिक्षक, साहित्यकार, किसान, कारीगर, पेशेवर, महिलाएँ और आध्यात्मिक विद्वान** शामिल हैं, काशी में विविध सांस्कृतिक, शैक्षणिक तथा विरासत-आधारित कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में तमिल शिक्षण:**
  - पचास तमिल शिक्षक **2 से 15 दिसंबर, 2025** के मध्य वाराणसी के 50 विद्यालयों में प्रारंभिक तमिल का अध्यापन करेंगे, जिससे **1,500 विद्यार्थी** बोलचाल की तमिल सीख सकेंगे। साथ ही, उत्तर प्रदेश के 300 विद्यार्थियों को गहन **तमिल-शिक्षा, सांस्कृतिक सत्रों तथा तमिल-काशी ऐतिहासिक संबंधों से जुड़े स्थलों के भ्रमण हेतु** तमिलनाडु भेजा जाएगा।
- **ऋषि अगस्त्य अभियान:** SAVE अभियान तेनकाशी से काशी (2–10 दिसंबर, 2025) तक की यात्रा करेगा। यह अभियान चेर, चोल, पांड्य, पल्लव, चालुक्य और विजयनगर जैसे प्रमुख दक्षिण भारतीय राजवंशों के पारस्परिक संबंधों को रेखांकित करते हुए तमिल एवं भारतीय **ज्ञान-परंपराओं** की साझा विरासत का उत्सव मनाएगा।
- **प्रतीकात्मक समापन:** वर्ष 2025 के संस्करण का समापन रामेश्वरम में एक भव्य समारोह के साथ होगा, जो काशी से तमिलनाडु तक की **प्रतीकात्मक उत्तर-दक्षिण सांस्कृतिक यात्रा** का पूर्णत्व दर्शाएगा।

गंगा-यमुना जल मार्ग परिवर्तन योजना

चर्चा में क्यों?

दिल्ली में नदी के **प्रवाह में वृद्धि और प्रदूषण को कम** करने के उद्देश्य से गंगा **के जल को** यमुना **में प्रवाहित करने की योजना** को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए किसान और इंजीनियरिंग व्यवहार्यता संबंधी मुद्दों के कारण अवरोध का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - ऊपरी गंगा नहर (UGC) से लगभग 500 क्यूसेक गंगा जल को **दिल्ली में यमुना नदी के प्रवाह** में छोड़ा जाना है।
  - इस योजना का प्रमुख लक्ष्य यमुना नदी के प्रवाह में वृद्धि करते हुए उसके **प्रदूषण स्तर में कमी** लाना है, जिससे यमुना की स्वच्छता से जुड़े व्यापक प्रयासों को सुदृढ़ आधार मिल सके।
- **प्रस्तावित मार्ग:**
  - चूँकि ऊपरी गंगा नहर (UGC) सीधे यमुना नदी से नहीं जुड़ी है, इसलिये योजना के अनुसार ऊपरी गंगा नहर के जल को एक चैनल के द्वारा **पूर्वी यमुना नहर (EYC)** में प्रवाहित किया जाएगा तथा वहाँ से आगे इसे **यमुना नदी** में प्रविष्ट कराया जाएगा।
  - इस मार्ग से परिवर्तित जल उत्तर प्रदेश के तीन ज़िलों से होकर प्रवाहित होगा।
- **गंगा-यमुना नदी तंत्र**
  - **उद्गम:** यह नदी तंत्र उत्तराखंड हिमालय से प्रारंभ होता है, जहाँ **गंगा नदी** गंगोत्री ग्लेशियर से निकलती है और इसकी सबसे लंबी सहायक नदी **यमुना नदी** यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।
  - **मार्ग एवं संगम:** ये नदियाँ उत्तर भारत में समानांतर बहती हैं तथा प्रयागराज में पवित्र त्रिवेणी संगम पर विलीन होने से पहले, अत्यधिक उपजाऊ गंगा-यमुना दोआब का निर्माण करती हैं।
  - **महत्त्व:** गंगा और यमुना मिलकर सिंधु-गंगा के मैदान को संरक्षित करती हैं, **कृषि गतिविधियों** के माध्यम से लाखों लोगों की **जीविकोपार्जन** सुनिश्चित करती हैं और भारतीय सभ्यता की आध्यात्मिक जीवन रेखा के रूप में कार्य करती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

NMDC का IIT कानपुर के साथ समझौता

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) ने साइबर सुरक्षा बढ़ाने तथा डिजिटल प्रौद्योगिकियों को उन्नत करने के लिये **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर** के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** इस सहयोग का उद्देश्य **उद्योग-अकादमिक संबंधों** को मज़बूत करना तथा NMDC के परिचालनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देना है।
- **साइबर सुरक्षा:** इस साझेदारी में **साइबर सुरक्षा जोखिम आकलन, नीतियों, शासन तथा अनुपालन ढाँचे** को मज़बूत करना और **घटना प्रतिक्रिया क्षमताओं** को बढ़ाना शामिल है।
- **AI-ML एकीकरण:** NMDC दक्षता और निर्णय-निर्माण में सुधार के लिये परिचालन प्रक्रियाओं में **AI-ML टूल्स** को एकीकृत करने हेतु संस्थान के साथ सहयोग करेगा।
- **ज्ञान निर्माण:** **क्षमता निर्माण** और **ज्ञान-साझाकरण पहल** केंद्रीय घटक होंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि NMDC के कार्यबल को उन्नत डिजिटल तथा साइबर सुरक्षा कौशल प्राप्त हों।
- **अनुसंधान सहयोग:** संयुक्त **अनुसंधान एवं नवाचार गतिविधियाँ** शुरू की जाएंगी, जिनका ध्यान NMDC की प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं के अनुरूप नए समाधान विकसित करने पर केंद्रित होगा।
- **प्रशिक्षण पहल:** दोनों संस्थान **प्रशिक्षण कार्यक्रम** तथा **पायलट परियोजनाएँ** संचालित करेंगे और नई प्रौद्योगिकियों का परीक्षण तथा परिशोधन करने के लिये **अवधारणा-सिद्ध विकास** तैयार करेंगे।
- **रणनीतिक प्रभाव:** NMDC ने कहा कि यह सहयोग उसके **डिजिटल सुरक्षा बुनियादी ढाँचे** को मज़बूत करेगा, **परिचालन खुफिया** में सुधार करेगा तथा संगठन के लिये **भविष्य के लिये तैयार तकनीकी आधार** स्थापित करेगा।

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC)

- **परिचय:** राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) 1958 में निगमित एक नवरत्न **सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम** है, जो भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **नेतृत्व:** NMDC भारत की **सबसे बड़ी** तथा विश्व की **सबसे कम लागत वाली लौह अयस्क उत्पादक कंपनियों** में से एक है तथा मध्य प्रदेश के **पन्ना** में देश की **एकमात्र मशीनीकृत हीरा खदान** के संचालन के लिये भी जाना जाता है।
- **संचालन:** निगम **छत्तीसगढ़ और कर्नाटक** में अत्यधिक मशीनीकृत **लौह अयस्क खदानों** का संचालन करता है तथा इसका **पंजीकृत कार्यालय हैदराबाद, तेलंगाना** में स्थित है।

गतिशक्ति इंफ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त सचिव (लॉजिस्टिक्स), DPIIT की अध्यक्षता में **नेटवर्क योजना समूह** की 104वीं बैठक PM गतिशक्ति **राष्ट्रीय मास्टर प्लान** के तहत **प्रमुख बुनियादी ढाँचा प्रस्तावों** के **व्यापक आकलन** के लिये आयोजित की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- बैठक में **PM गतिशक्ति** के **सिद्धांतों** के अनुरूप आठ **रेलवे परियोजनाओं** की समीक्षा की गई, जिसमें **मल्टीमॉडल एकीकरण**, **सामाजिक-आर्थिक प्रभाव** और **समन्वित योजना** पर विशेष ध्यान दिया गया।

मुख्य बिंदु

- **बारबेंडा-डमरुघुट्टू-बोकारो कॉरिडोर (पश्चिम बंगाल और झारखंड):**
  - **NPG** ने उच्च घनत्व वाले **बारबेंडा-डमरुघुट्टू-बोकारो माल ढुलाई कॉरिडोर** पर **तीसरी और चौथी लाइन** के निर्माण के प्रस्ताव की समीक्षा की। यह कॉरिडोर बोकारो स्टील प्लांट तथा **टाटा स्टील** जैसे उद्योगों के लिये महत्त्वपूर्ण मार्ग है, जिससे **परिचालन दक्षता** में सुधार एवं **क्षेत्रीय माल ढुलाई क्षमता** में वृद्धि होगी।
- **जमालपुर-मुंगेर दोहरी लाइन और नया गंगा पुल (बिहार):**
  - बैठक में **जमालपुर-मुंगेर दोहरी लाइन परियोजना** का मूल्यांकन किया गया, जिसमें **गंगा पर नया पुल** और **जमालपुर अवॉइडिंग लाइन** शामिल हैं।
  - यह परियोजना गंगा के मैदानों में कनेक्टिविटी सुधार, **औद्योगिक विकास** का समर्थन और **यात्री-माल की तीव्र तथा सुरक्षित आवाजाही** सुनिश्चित करने के लिये विकसित की गई है।
- **संतरागाछी-पंसकुरा-खड़गपुर चौथी लाइन (पश्चिम बंगाल):**
  - अत्यधिक उपयोग किये जाने वाले **यात्री-माल गलियारे** पर प्रस्तावित **चौथी लाइन** का मूल्यांकन वर्तमान **भीड़भाड़ कम करने**, **समय घटाने** और **विश्वसनीयता बढ़ाने** के उद्देश्य से किया गया।
  - इस मार्ग को मज़बूत करने से **रसद दक्षता** में वृद्धि और **पूर्वी भारत में संतुलित क्षेत्रीय विकास** को बढ़ावा मिलने की संभावना है।
- **गुम्मिडीपुंडी-गुदुर तीसरी और चौथी लाइन (तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश):**
  - रेल मंत्रालय ने **गुम्मिडीपुंडी और गुदुर** के बीच 89.96 किमी. में **तीसरी और चौथी लाइन** का प्रस्ताव रखा। इससे **चेन्नई बंदरगाह** से जुड़े **मल्टीमॉडल माल ढुलाई** में सुधार होगा।
  - यह गलियारा **उर्वरक, कंटेनर, सीमेंट और बिजली क्षेत्र** के माल ढुलाई में सहायता करेगा, जिसकी अपेक्षित हैंडलिंग क्षमता **25.07 MTPA** होगी, जो **नव स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग सेक्शन** के डायवर्जन के माध्यम से संभव होगी।
- **कोंकण रेलवे पुनर्गठन (महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक):**
  - **KRCL** के लिये तीसरी **वित्तीय पुनर्गठन योजना** की समीक्षा की गई, जिसमें **पेरनेम और ओल्ड गोवा में नई सुरंगें** तथा **मायेम, नेउरा-ओ-ग्रांडे एवं मूकाम्बिका रोड-बिंदूर** में तीन अतिरिक्त **क्रॉसिंग स्टेशन** शामिल हैं।
  - उन्नयन का उद्देश्य **वित्तीय स्वास्थ्य सुधार**, **भीड़भाड़ कम करना**, **सुरक्षा बढ़ाना** और **तटीय गलियारे पर परिचालन दक्षता** को बढ़ावा देना है।
- **निदादावोलू-दुव्वाडा तीसरी और चौथी लाइन (आंध्र प्रदेश):**
  - **हावड़ा-चेन्नई मुख्य लाइन** पर 198.10 किमी. का प्रस्ताव, **आंध्र प्रदेश बंदरगाहों** से माल ढुलाई बढ़ाने, विशेषकर **कोयला, जिप्सम और उर्वरक आयात** को बढ़ाने तथा **यात्री सेवाओं** में सुधार लाने के उद्देश्य से है।
  - यह विस्तार **विशाखापत्तनम स्टील प्लांट** और प्रमुख **सीमेंट निर्माताओं** का समर्थन करता है तथा **औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स विकास** में योगदान देगा।
- **नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान):**
  - 567.860 किमी. लंबी यह परियोजना स्वर्णिम चतुर्भुज और **उच्च घनत्व नेटवर्क-3** का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर** पर शेष असंवर्द्धित खंड के रूप में, इसके विस्तार से **पेट्रोलियम टर्मिनल, उर्वरक संयंत्र, सीमेंट उद्योग, भंडारण केंद्र और ताप विद्युत संयंत्र** से माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी।

- **गाज़ियाबाद-नई सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन (उत्तर प्रदेश):**
  - दस ज़िलों में विस्तृत 402.78 किमी. लंबी परियोजना का उद्देश्य **उत्तरी सीमांत रेलवे** की **यात्री और माल ढुलाई दक्षता** में सुधार करना है।
  - **मज़बूत सड़क नेटवर्क, कृषि मंडियाँ, लॉजिस्टिक्स केंद्र और प्रमुख हवाई अड्डे (दिल्ली, बरेली, लखनऊ)** के समीपता के कारण, उन्नत कॉरिडोर से **लॉजिस्टिक्स लागत में कमी** तथा **सतत क्षेत्रीय विकास** का समर्थन मिलने की संभावना है।

CDS बिपिन रावत ऑडिटोरियम

चर्चा में क्यों?

मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) **जनरल बिपिन रावत** की चौथी पुण्यतिथि पर उनकी **प्रतिमा का अनावरण** किया।

मुख्य बिंदु

- **स्थान:** प्रतिमा का अनावरण **सैनिक स्कूल, गोरखपुर** में किया गया, जहाँ जनरल रावत के नाम पर बनाए गए देश के पहले **ऑडिटोरियम** का भी उद्घाटन किया गया।
- **आयोजक:** प्रतिमा की स्थापना **GBR मेमोरियल फाउंडेशन ऑफ इंडिया** द्वारा की गई।
- **पुस्तिका विमोचन:** मुख्यमंत्री ने जनरल रावत के **जीवन, सेवा और योगदान** पर आधारित एक **स्मरण-पुस्तिका** जारी की।
- **उद्देश्य:** यह कार्यक्रम जनरल रावत के **सैन्य नेतृत्व, राष्ट्रीय सेवा** तथा **भारत की रक्षा-तैयारी को सुदृढ़ करने में उनके योगदान** का सम्मान करने हेतु आयोजित किया गया।
- **सार्वजनिक संदेश:** मुख्यमंत्री ने रावत को **अनुशासन, कर्त्तव्य** और **राष्ट्रीय प्रतिबद्धता** का प्रतीक बताया तथा विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।
- **राष्ट्रीय दृष्टि:** मुख्यमंत्री ने रावत की विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की **"पंच प्रण"** दृष्टि से जोड़ते हुए उन्हें **राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति समर्पित योद्धा** के रूप में वर्णित किया।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

- **CDS भारत में सर्वोच्च रैंक का सैन्य अधिकारी होता** है, जो तीनों सेनाओं से संबंधित सभी मामलों पर रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करता है और सैन्य मामलों के विभाग (DMA) का नेतृत्व करता है।
- इस पद का सृजन तीनों सेवाओं (सेना, नौसेना तथा वायु सेना) के बीच **समन्वय** और **संगठनात्मक एकजुटता** को बढ़ाने के लिये किया गया था।
- CDS चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का **स्थायी अध्यक्ष** और **रक्षा अधिग्रहण परिषद का सदस्य** होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

उत्तर प्रदेश में व्यय की प्रवृत्ति

चर्चा में क्यों ?

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये उत्तर प्रदेश में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE) संबंधी सर्वेक्षण किया।

मुख्य बिंदु

- **शीर्ष शहरी व्यय:**
  - गौतम बुद्ध नगर जिसमें नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा भी शामिल हैं, शहरी क्षेत्रों में **सर्वाधिक व्यय** वाला ज़िला रहा, जहाँ औसत **मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय** 9,705 रुपये था।
  - लखनऊ से 100 किलोमीटर दूर स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का ज़िला **गोंडा,** 8,122 रुपये के MPCE के साथ **दूसरे स्थान पर रहा, जो कई प्रमुख शहरी केंद्रों से अधिक है।**
- **अन्य शीर्ष क्षेत्र:**
  - **अन्य शीर्ष शहरों** में बागपत, लखनऊ और मुज़फ्फरनगर क्रमश: 6,995 रुपये, 6,622 रुपये तथा 6,081 रुपये के MPCE के साथ प्रमुख ज़िलों के रूप में सामने आए।
- **ग्रामीण व्यय:**
  - **ग्रामीण क्षेत्रों** में, **राज्य के आठ** आकांक्षी ज़िलों में से एक, श्रावस्ती, 4,462 रुपये के MPCE के साथ शीर्ष पर रहा, जो जीबी नगर के शहरी व्यय से अधिक है।
- **शहरी-ग्रामीण तुलना:**
  - सामान्यत: शहरी व्यय अधिक रहा, यद्यपि श्रावस्ती, अमरोहा और बलिया जैसे ज़िलों में ग्रामीण व्यय शहरी व्यय से अधिक पाया गया।
- **न्यूनतम व्यय वाले क्षेत्र:**
  - **बलिया में** शहरी क्षेत्रों में सबसे कम MPCE 2,581 रुपये था, जबकि इसकी ग्रामीण आबादी ने 2,753 रुपये खर्च किये। **सोनभद्र में ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम** MPCE 2,357 रुपये था।
- **क्षेत्रीय अंतर:**
  - पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ज़िलों में पूर्वी ज़िलों की तुलना में अधिक खर्च देखा गया, जो **राज्य में महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय आर्थिक असमानताओं को उजागर करता है।**
- **समग्र व्यय:**
  - उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में **औसत मासिक व्यय** 4,418 रुपये तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 3,246 रुपये रहा। दोनों में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई, हालाँकि कुल व्यय अब भी **राष्ट्रीय औसत से कम** है।

मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE) सर्वेक्षण

- **सर्वेक्षण वर्ष:** वित्तीय वर्ष **2022-23** के लिये संपादित यह सर्वेक्षण उत्तर प्रदेश में घरेलू **मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE)** का आकलन करता है। यह रिपोर्ट राज्य में उपभोग प्रवृत्तियों और व्यय क्षमता को रेखांकित करने के लिये प्रतिवर्ष जारी की जाती है।
- **कार्यप्रणाली:** विशेषज्ञों ने राज्य के **75 ज़िलों** के उपभोग आँकड़ों के विश्लेषण हेतु **लघु-क्षेत्र अनुमान विधियों** का उपयोग किया। इसमें विशेष रूप से **फे-हेरियट (Fay-Herriot) मॉडल** का प्रयोग किया गया, जो अलग-अलग आर्थिक परिस्थितियों और संरचनात्मक विविधताओं को समायोजित करने में सक्षम माना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उद्देश्य:** इस विश्लेषणात्मक मॉडल का प्रमुख उद्देश्य सामान्य चरों (Common Variables) के प्रभाव को निष्प्रभावी कर विभिन्न ज़िलों के **आपेक्षिक विकास स्तर**, उपभोग पैटर्न तथा आर्थिक अंतर को अधिक विश्वसनीय रूप से समझना था। इससे राज्य तथा केंद्र सरकार को **साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण** में सहायता प्राप्त होती है।
- **क्षेत्र:** सर्वेक्षण मुख्य रूप से **व्यय की चार प्रमुख श्रेणियों पर केंद्रित था:** खाद्य पदार्थ, उपभोग्य वस्तुएँ, सतत वस्तुएँ और जनसांख्यिकीय विवरण।

उत्तर प्रदेश और IIT-रुड़की कार्बन क्रेडिट मॉडल लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **IIT रुड़की** के सहयोग से एक कार्बन क्रेडिट मॉडल लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनके कृषि क्षेत्रों में कार्बन संरक्षण करते हुए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने में सहायता प्रदान करना है।

मुख्य बिंदु

- **भारत में पहला:** यह **भारत का पहला बड़े स्तर का कार्बन क्रेडिट मॉडल** है, जिसका **पायलट प्रोग्राम सहारनपुर मंडल** में शुरू होगा और धीरे-धीरे पूरे राज्य में विस्तारित होगा।
- **किसानों के लिये कार्बन क्रेडिट:** किसान ऐसे पेड़ लगाकर कार्बन क्रेडिट अर्जित करेंगे **जो प्रकाश संश्लेषण के लिये कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, जिससे** कार्बन उत्सर्जन कम होता है और वायु गुणवत्ता में सुधार होता है। संगृहीत प्रत्येक मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के लिये **एक कार्बन क्रेडिट मिलेगा,** जिसे किसानों को भुगतान के रूप में दिया जाएगा।
- **राजस्व वितरण:** कार्बन क्रेडिट बाज़ार में बेचे जाने के बाद, **50% राजस्व सीधे किसानों को दिया जाएगा**। अर्जित आय मृदा की गुणवत्ता और संगृहीत कार्बन की मात्रा पर निर्भर करेगी।
- **सतत कृषि पद्धतियाँ:** किसानों को मृदा में कार्बन की मात्रा बढ़ाने के लिये **सतत कृषि तकनीकें** अपनानी होंगी, जिसमें कृषि अपशिष्ट का जलाने के बजाय उपयोग, जुताई को कम करना और जैव उर्वरक का प्रयोग शामिल है।
- **आय और मृदा स्वास्थ्य:** यह पहल किसानों को **दीर्घकालिक आय** का स्रोत प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य **मृदा स्वास्थ्य बहाल करना**, कृषि लागत कम करना और **जल धारण क्षमता** बढ़ाना है, जिससे **कृषि उत्पादकता में सुधार** तथा **खेती की लागत में कमी** आएगी।
- **वैज्ञानिक निगरानी: IIT रुड़की** मृदा नमूनों का वैज्ञानिक परीक्षण करेगा और **रिमोट सेंसिंग** के माध्यम से कार्यक्रम की निगरानी सुनिश्चित करेगा। यह ढाँचा **कार्बन भंडारण के मापन, सत्यापन** तथा **मौद्रिकरण** को प्रमाणित करता है।
- **राजस्व आवंटन:** कार्बन क्रेडिट की बिक्री से प्राप्त राजस्व का आधा हिस्सा किसानों को वितरित किया जाएगा, जबकि शेष आधा हिस्सा **भूमि पंजीकरण, रखरखाव, निगरानी** और परिचालन प्रक्रियाओं के लिये उपयोग किया जाएगा।
- **वैश्विक और स्थानीय प्रभाव** : यह कार्यक्रम **नेट ज़ीरो प्रतिबद्धताओं का समर्थन करता है, वैश्विक बाजारों** में उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन क्रेडिट की बिक्री को सुगम बनाता है और पुनर्योजी कृषि का समर्थन करके ग्रामीण आजीविका को लाभ पहुँचाता है।
- **दीर्घकालिक लाभ** : समय के साथ, इस कार्यक्रम से **मृदा की उर्वरता, जल धारण क्षमता और फसल उपज में सुधार होने की संभावना है,** जिससे किसानों के लिये आय के नए स्रोत सृजित होंगे तथा साथ ही भारत के जलवायु लक्ष्यों में भी योगदान मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

कार्बन क्रेडिट

- कार्बन क्रेडिट, जिसे **कार्बन ऑफसेट** भी कहा जाता है, **कार्बन उत्सर्जन में कमी या उसे अवशोषित करने** की प्रक्रिया को संदर्भित करता है। इसे **कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य (** tCO_2e **) के टन** में मापा जाता है।
- कार्बन क्रेडिट की अवधारणा को वर्ष **1997 के क्योटो प्रोटोकॉल** में प्रस्तुत किया गया था, जिसे बाद में वर्ष **2015 के पेरिस समझौते** द्वारा और अधिक मज़बूती प्रदान की गई। इसका उद्देश्य **कार्बन व्यापार के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन को कम करना** है।
- प्रत्येक कार्बन क्रेडिट **एक टन** CO_2 **या उसके समतुल्य उत्सर्जन** की अनुमति प्रदान करता है।
- ये क्रेडिट उन परियोजनाओं द्वारा उत्पन्न होते हैं जो कार्बन उत्सर्जन को अवशोषित या कम करती हैं और जिन्हें **वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (VCS)** तथा गोल्ड स्टैंडर्ड जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

भारत का पहला स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल पोत

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्री **सरबानंदा सोनोवाल** ने वाराणसी में **भारत के पहले स्वदेशी** हाइड्रोजन ईंधन सेल पोत को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो देश के सतत अंतर्देशीय जल परिवहन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- **तकनीकी उपलब्धि:** इस पोत का प्रक्षेपण स्वच्छ ऊर्जा के प्रति भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमताओं और प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे देश **हाइड्रोजन-संचालित पोतों को अपनाने वाले देशों जैसे- चीन, जापान और नॉर्वे के समकक्ष हो जाता है।**
- **सतत ऊर्जा:** हाइड्रोजन से चलने वाले पोत ग्रीनहाउस गैस **उत्सर्जन को** कम करने की दिशा में एक कदम है, जो लगभग शून्य उत्सर्जन के साथ स्वच्छ, सतत ऊर्जा प्रदान करते हैं, हालाँकि पूर्ण स्तर पर वाणिज्यिक उपयोग अभी भी अनुसंधान के अधीन है।
- **वाराणसी की भूमिका:** नमो घाट पर इस परियोजना के शुभारंभ से **वाराणसी भारत की हरित जलमार्ग पहल** में अग्रणी स्थान पर आ गया है, जिससे आगंतुकों और तीर्थयात्रियों दोनों के लिये **परिवहन अनुभव बेहतर होगा** तथा **पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान मिलेगा।**
- **प्रधानमंत्री मोदी का विज़न:** हाइड्रोजन पोत पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य **अंतर्देशीय जलमार्गों का आधुनिकीकरण करना,** स्वच्छ परिवहन को प्राथमिकता देना और कनेक्टिविटी तथा सार्वजनिक सुविधा को बढ़ाना है।
- **समुद्री भारत विज़न 2030: यह परियोजना** समुद्री भारत विज़न 2030 और **समुद्री अमृत काल विज़न** 2047 के अनुरूप है, जो अंतर्देशीय जलमार्गों पर हरित परिवहन, स्मार्ट अवसंरचना तथा वैकल्पिक ईंधन पर ज़ोर देती है।
- **आर्थिक प्रभाव:** हाइड्रोजन पोत और संबंधित परियोजनाओं का उद्देश्य सतत अवसंरचना को मज़बूत करके, लॉजिस्टिक लागत को कम करके तथा हरित परिवहन समाधानों को बढ़ावा देकर **भारत की आर्थिक क्षमता को बढ़ाना है।**
- **अन्य विकास परियोजनाएँ : उत्तर प्रदेश के जलमार्ग विकास** में 300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है और आने वाले वर्षों में 2,200 करोड़ रुपये की योजनाओं को शुरू करने की योजना है, जिसमें हल्दिया से वाराणसी **तक आधुनिक नौवहन गलियारा भी शामिल है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

दीपावली यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

चर्चा में क्यों?

दीपावली, प्रकाश पर्व, को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कर लिया गया है, जैसा कि 8 से 13 दिसंबर, 2025 तक **नई दिल्ली के लाल किले में** आयोजित **यूनेस्को की अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र** के दौरान घोषणा की गई थी।

- संस्कृति मंत्रालय और **संगीत नाटक अकादमी** द्वारा आयोजित **ICH समिति सत्र की मेज़बानी भारत पहली बार** कर रहा है।
- यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति में एक महत्त्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करता है, जो भारत द्वारा **वर्ष 2003 के यूनेस्को अभिसमय** की पुष्टि के 20वीं वर्षगाँठ के साथ मेल खाता है।

प्रमुख बिंदु

दीपावली

- **दीपावली: कार्तिक अमावस्या** (अक्तूबर-नवंबर) को मनाई जाने वाली दीपावली अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और नवीनीकरण एवं समृद्धि का प्रतीक है।
- **दीपावली को यूनेस्को द्वारा शामिल किये जाने का महत्त्व:** यूनेस्को द्वारा दीपावली को एक जीवंत विरासत के रूप में मान्यता दी गई है, जो **सामाजिक बंधनों को मज़बूत करती है, पारंपरिक शिल्प कौशल का समर्थन करती है और उदारता एवं खुशहाली** के मूल्यों को सुदृढ़ करती है।
  - दीपावली सतत विकास के कई लक्ष्यों में सार्थक योगदान देती है, जिनमें **SDG 1 (गरीबी उन्मूलन), SDG 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), SDG 5 (लैंगिक समानता) तथा SDG 11 (संधारणीय समुदाय)** शामिल हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

- **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत:** यूनेस्को अमूर्त विरासत को पीढ़ियों से चली आ रही **जीवित परंपराओं के रूप में परिभाषित करता** है, जिसमें मौखिक परंपरा, प्रदर्शन कला, अनुष्ठान, उत्सव कार्यक्रम, सामाजिक प्रथा, प्रकृति और ब्रह्मांड का ज्ञान एवं **पारंपरिक शिल्प कौशल** शामिल हैं, जिन्हें समुदाय पुनर्जीवित और संरक्षित करना जारी रखते हैं।
- **नामांकन:** यूनेस्को की ICH प्रतिनिधि सूची में किसी तत्त्व को जोड़ने के लिये, राज्यों को एक नामांकन फाइल जमा करनी होगी, जिसमें **प्रत्येक दो वर्ष में एक नामांकन की अनुमति होती** है।
  - भारत ने वर्ष 2024-25 के दीपावली उत्सव के लिये इसे नामित किया है।
- **सूची:** यह सूची अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिये 2003 के यूनेस्को अभिसमय के तहत तैयार की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **वैश्वीकरण के युग में जीवित सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा करना, जागरूकता, सम्मान और सांस्कृतिक विविधता** को बढ़ावा देना तथा अनुष्ठानों, त्योहारों, मौखिक परंपराओं एवं पारंपरिक शिल्प कौशल की सामुदायिक नेतृत्व वाली सुरक्षा का समर्थन करना है।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की भारतीय सूची

- गुजरात का गरबा (2023)
- कोलकाता में दुर्गा पूजा (2021)
- कुंभ मेला (2017)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- योग (2016)
- नवरोज़ (2016)
- पंजाब के जंडियाला गुरु के थथेरा समुदाय द्वारा पीतल और ताँबे के बर्तनों का पारंपरिक निर्माण (2014)
- मणिपुर का संकीर्तन (2013)
- लद्दाख में बौद्ध मंत्रोच्चार (2012)
- छऊ नृत्य, राजस्थान का कालबेलिया नृत्य और केरल का मुडियेट्टू (2010)
- गढ़वाल हिमालय का रम्माण उत्सव (2009)
- कुटियाट्टम संस्कृत थिएटर, रामलीला और वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा (2008)।

पहला आधिकारिक माघ मेला लोगो लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **प्रयागराज** में प्रत्येक वर्ष में लगने वाले सदियों पुराने **माघ मेले** का **पहला आधिकारिक लोगो** जारी किया है।

प्रमुख बिंदु

- **आयोजन का संदर्भ:** 45 दिनों का माघ मेला जनवरी में शुरू होता है और संगम में पवित्र स्नान करने के लिये **भारत एवं विश्व भर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता** है।
- **सरकारी पहल:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रयागराज को पुनर्जीवित करने के व्यापक प्रयासों के तहत लोगो का अनावरण किया।
- **आध्यात्मिक महत्त्व:** लोगो माघ मेले की **प्रमुख आध्यात्मिक प्रथाओं** जैसे कि जप, तपस्या, दान, पवित्र स्नान और कल्पवास को दर्शाता है।
- **खगोलीय डिज़ाइन:** इस डिज़ाइन में **सात ऊर्जा चक्र,** सूर्य, चंद्रमा की 14 कला और 27 नक्षत्रों में चंद्रमा की गति के संदर्भ शामिल हैं, जो हिंदू ज्योतिषीय गणनाओं के अनुरूप हैं।
- **पवित्र प्रतीक:** प्रमुख तत्त्वों में मोक्ष का प्रतीक **अक्षयवट वृक्ष, लेटे हुए हनुमान मंदिर,** सनातन ध्वज और संगम पर तीर्थराज प्रयाग शामिल हैं।
- **ज्योतिषीय आधार:** माघ मेला तब आयोजित किया जाता है जब **सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता** है और अनुष्ठान की तिथियाँ सटीक चंद्र चक्रों द्वारा निर्धारित की जाती हैं, विशेष रूप से **अमावस्या से पूर्णिमा तक।**
- **सांस्कृतिक संदेश:** लोगो पर अंकित एक **संस्कृत श्लोक** इस मान्यता को व्यक्त करता है कि माघ महीने में स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं।
- **पारिस्थितिक तत्त्व: लोगो में** साइबेरियाई पक्षियों को दर्शाया गया है जो प्रत्येक शीतकाल में संगम क्षेत्र में प्रवास करते हैं, जिससे **पर्यावरणीय सामंजस्य पर प्रकाश डाला** गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **डिज़ाइन एवं स्वीकृति:** **प्रयागराज मेला प्राधिकरण** के सलाहकारों द्वारा लोगो की अवधारणा तैयार की गई थी और **मुख्यमंत्री की औपचारिक स्वीकृति** के साथ इसका अनावरण किया गया।

विशेष अभियान 5.0 के तहत माइक्रो फॉरेस्ट का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

संजय कुमार ने 14 दिसंबर, 2025 को उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर स्थित पीएम श्री नवोदय विद्यालय में विशेष अभियान 5.0 के तहत एक माइक्रो फॉरेस्ट (फलों का बाग और परागण पार्क) का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **3,200 वर्ग मीटर से अधिक बंजर भूमि** को Eco Clubs for Mission LiFE के तहत **एक पारिस्थितिकीय शिक्षण स्थल** में परिवर्तित किया गया, जिसमें **वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, छात्र और Say Trees के प्रतिनिधि** शामिल हुए।
- **शिक्षा:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 पर जोर देते हुए, संजय कुमार ने सर्वांगीण, मानसिक रूप से स्वस्थ और मूल्य-प्रेरित विद्यार्थियों के पोषण हेतु अनुभवात्मक, रुचिपूर्ण और प्रकृति आधारित शिक्षण पर प्रकाश डाला।
- **इको क्लब्स:** मिशन लाइफ के लिये इको क्लब, जो 9.23 लाख से अधिक स्कूलों में कार्यरत हैं, सात विषयों के अनुरूप व्यावहारिक पर्यावरणीय शिक्षा को बढ़ावा देते हैं, जिससे पर्यावरणीय चेतना में वृद्धि होती है।
- **संरक्षण:** **नवोदय विद्यालय समिति (NVS)** ने छात्रों से फलदार वृक्षों और **हरित क्षेत्रों की देखभाल,** सतत जीवन, **पारिस्थितिकी संतुलन** तथा समग्र विकास का समर्थन करने का आग्रह किया।
- **अभियान:** विशेष अभियान 5.0 **के तहत,** 6.16 लाख से अधिक स्वच्छता अभियान चलाए गए; एक **ई-कचरा अभियान में** 1 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए, 4000 किलोग्राम ई-कचरा एकत्र किया गया और शास्त्री भवन में एक जागरूकता भित्ति चित्र के लिये 100 किलोग्राम का पुन: उपयोग किया गया।
- **स्थिरता:** इस माइक्रो फॉरेस्ट में 500 से अधिक फलदार वृक्ष और 350 से अधिक परागणकारी पौधे शामिल हैं। यह जैवविविधता तथा सूक्ष्म जलवायु में सहायक है, इसे **'से ट्रीज़'** द्वारा समर्थित किया गया है, यह **SDG 4 एवं 13 के अनुरूप है** व देश के स्कूलों में विस्तार किया जाएगा।

मिशन लाइफ

- **मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment)** भारत द्वारा अक्तूबर 2022 में शुरू की गई एक **वैश्विक पहल है,** जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के लिये सचेत और सोच-समझकर उपभोग के माध्यम से स्थायी जीवन-शैली को बढ़ावा देना है।
- यह पहल **सात विषयों पर केंद्रित है:** जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, **कचरा कम करना,** ई-कचरा प्रबंधन, **एकल-उपयोग प्लास्टिक समाप्त करना, स्थायी खाद्य** प्रणालियों को **बढ़ावा देना तथा स्वस्थ जीवन-शैली अपनाना।**

वाराणसी : रेलवे लोकोमोटिव निर्यात का केंद्र

चर्चा में क्यों?

- बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (BLW), वाराणसी ने स्वदेशी रूप से निर्मित लोकोमोटिव मोज़ाम्बिक को निर्यात किये हैं, जिससे वैश्विक रेलवे निर्यात केंद्र के रूप में भारत की स्थिति सुदृढ़ हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **निर्यात:** **बनारस लोकोमोटिव वर्क्स** ने **15 दिसंबर, 2025** को मोज़ाम्बिक को **छठा 3300 HP AC-AC डीज़ल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव** निर्यात किया। इससे पूर्व दो लोकोमोटिव **जून 2025** में, तीसरा **सितंबर**, चौथा **अक्तूबर** और पाँचवा **12 दिसंबर, 2025** को प्रेषित किया गया।
- **तकनीकी विशेषताएँ:** ये लोकोमोटिव 3300 HP क्षमता के हैं और **केप गेज (1067 मिमी)** पर संचालित होते हैं, इनकी **अधिकतम गति 100 किमी/घंटा** है तथा ये **आधुनिक, चालक-अनुकूल केबिन सुविधाओं** से सुसज्जित हैं।
- **रणनीतिक महत्त्व:** यह पहल भारत की रेलवे निर्यात क्षमता को सुदृढ़ करती है तथा **मेक इन इंडिया** और **मेक फॉर द वर्ल्ड** पहलों को समर्थन देती है।
- **वैश्विक निर्यात उपस्थिति:** **वर्ष 2014** से **बनारस लोकोमोटिव वर्क्स** ने **श्रीलंका, म्यांमार और मोज़ाम्बिक** को लोकोमोटिव का निर्यात किया है; साथ ही भारतीय रेलवे का निर्यात अब **यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और मेक्सिको** तक विस्तृत हो चुका है।
- **राष्ट्रीय महत्त्व:** यह **रेलवे निर्माण में आत्मनिर्भरता** और **भारतीय इंजीनियरिंग** पर बढ़ते **वैश्विक विश्वास** को परिलक्षित करता है।

गोरखपुर में भारत का पहला वन विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने गोरखपुर में **भारत का पहला समर्पित वन विश्वविद्यालय स्थापित किये जाने** की घोषणा की, जिसमें लगभग **500 करोड़ रुपये** का निवेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिंदु

- **स्वीकृति और लागत:** राज्य सरकार ने **वन विश्वविद्यालय** के लिये **डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR)** को स्वीकृति दी है, जिसकी अनुमानित लागत **500 करोड़ रुपये** है।
- **स्थान:** यह विश्वविद्यालय **उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में** जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र **के निकट** लगभग **125 एकड़** भूमि पर विकसित किया जाएगा।
- **शैक्षणिक लक्ष्य:** यह विश्वविद्यालय वानिकी, कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी, बागवानी, **वन्यजीव अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान** में **विशिष्ट डिग्री** तथा **डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करेगा**।
- **पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण:** शैक्षणिक ढाँचा **कक्षा आधारित अध्ययन को क्षेत्र-आधारित व्यावहारिक अनुसंधान** के साथ एकीकृत करेगा, जिससे छात्रों को **वनों और संरक्षण स्थलों में प्रत्यक्ष अनुभव** प्राप्त होगा।
- **अवसंरचना योजना:** परिसर में **अलग छात्रावास, कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ, प्रशासनिक ब्लॉक, ऑडिटोरियम** और **अध्यापकों के लिये आवासीय सुविधाएँ** होंगी।
- **राष्ट्रीय महत्त्व:** यह विश्वविद्यालय **वन शिक्षा, संरक्षण अनुसंधान और प्रशिक्षण** के लिये **राष्ट्रीय केंद्र** के रूप में कार्य करेगा, जिससे भारत की पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास **क्षमता** में वृद्धि होगी।
- **UP ISFR 2023 रिपोर्ट:** रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भारत में **हरित आवरण (वन + वृक्ष आवरण)** में दूसरी सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें **559.19 वर्ग किमी** का विस्तार हुआ और कुल हरित आवरण **राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 9.96%** तक पहुँच गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

आगरा में डिजिटल पुस्तकालय

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार **ग्रामीण शिक्षा में सुधार** लाने और छात्रों को डिजिटल शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **आगरा की 104** ग्राम पंचायतों में **डिजिटल पुस्तकालय** स्थापित कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **कार्यान्वयन एजेंसी:** इस परियोजना का **कार्यान्वयन उत्तर प्रदेश के पंचायती राज विभाग** द्वारा किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:** इस पहल का उद्देश्य कंप्यूटर, **ई-पुस्तकों, वीडियो व्याख्यानों, क्विज़** और **प्रतियोगी परीक्षा सामग्री** तक पहुँच प्रदान करके ग्रामीण तथा शहरी छात्रों के बीच **शैक्षिक अंतर** को कम करना है।
- **अवसंरचना और संसाधन:** प्रत्येक पुस्तकालय में कंप्यूटर, हाई-स्पीड इंटरनेट, ई-पुस्तकें और लगभग **20,000 डिजिटल शिक्षण संसाधन** होंगे, जिनमें **वीडियो व्याख्यान** तथा **परीक्षण सामग्री** शामिल हैं।
- **वित्तीय व्यय:** प्रत्येक पुस्तकालय पर लगभग **4 लाख रुपये** खर्च किये जाएंगे।
- **प्रबंधन:** पुस्तकालयों का प्रबंधन स्थानीय स्तर पर **ग्राम प्रधान** और **ग्राम पंचायत सचिव** द्वारा किया जाएगा।

तीसरा संसद खेल महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने उत्तर प्रदेश के **आगरा** में आयोजित **तीसरे** संसद खेल महोत्सव को संबोधित करते हुए युवाओं से **'नशीली दवाओं को ना और खेलों को हाँ'** का संदेश अपनाने का आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

- **संसद खेल महोत्सव:** यह युवाओं में **भागीदारी, अनुशासन, टीम वर्क** और **समग्र व्यक्तित्व विकास** को प्रोत्साहित करने हेतु संसद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का खेल आयोजन है।
- **खेलों के प्रति जागरूकता:** उपराष्ट्रपति ने खेलों को **अनुशासन, टीम भावना, चरित्र निर्माण** और **शारीरिक सुदृढ़ता** का प्रभावी माध्यम बताया।
- **नशीली दवाओं के विरुद्ध संदेश:** युवाओं से **नशीली दवाओं से दूरी** बनाए रखने और **'नशीली दवाओं को ना, खेलों को हाँ'** की भावना के साथ **स्वस्थ जीवन-शैली** अपनाने का आग्रह किया।
- **सरकारी पहलें:** उन्होंने खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट तथा **स्वदेशी खेलों के संवर्द्धन** से संबंधित योजनाओं पर प्रकाश डाला।
- **खेलों में महिला सहभागिता:** उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्त्व को रेखांकित करते हुए **अस्मिता महिला लीग** जैसी पहलों का उल्लेख किया।
- **समग्र विकास:** संतुलित विकास के लिये माता-पिता और शिक्षकों से आग्रह किया गया कि वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी प्रोत्साहित करें।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 दिसंबर, 2025 को अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर **उत्तर प्रदेश के लखनऊ** में **राष्ट्र प्रेरणा स्थल** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** यह एक **राष्ट्रीय स्मारक एवं प्रेरक परिसर** है, जिसे राष्ट्रभक्ति, **सुशासन और जनसेवा के आदर्शों** को प्रसारित करने हेतु निर्मित किया गया है।
- **राष्ट्र प्रेरणा स्थल:** यह **स्वाभिमान, एकता और सेवा के मार्ग** को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया।
- **प्रतिमाएँ:** अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की 65-65 फीट ऊँची **कांस्य प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **संग्रहालय:** कमलाकार संरचना वाला अत्याधुनिक संग्रहालय, जो **डिजिटल और इमर्सिव गैलरी** के माध्यम से नेतृत्व की विरासत तथा भारत की राष्ट्रीय यात्रा को प्रदर्शित करता है।
- **क्षेत्र और लागत:** यह परिसर लगभग 65 एकड़ में फैला हुआ है तथा इसे विकसित करने में लगभग 230 करोड़ रुपये की लागत आई है। **उत्तर प्रदेश के लिये महत्त्व:** यह स्थल राज्य की **सांस्कृतिक अवसंरचना को सुदृढ़ करता है** तथा लखनऊ को एक राष्ट्रीय धरोहर और **प्रेरणा केंद्र** के रूप में स्थापित करता है।

अटल बिहारी वाजपेयी

- **उनका** जन्म 25 दिसंबर, 1924 को तत्कालीन ग्वालियर रियासत (अब मध्य प्रदेश का हिस्सा) में हुआ था। उनकी जयंती को सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।
- **उन्होंने वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया, जिसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत को गति प्रदान की।**
- **वर्ष 1947 में वाजपेयी ने दीनदयाल उपाध्याय के समाचार पत्रों - राष्ट्रधर्म (एक हिंदी मासिक), पाँचजन्य (एक हिंदी साप्ताहिक)** और **स्वदेश तथा वीर अर्जुन जैसे दैनिक** के लिये एक पत्रकार के रूप में काम करना शुरू किया।
- **बाद में श्यामा प्रसाद मुखर्जी** से प्रभावित होकर वह वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए।
- वह दो बार वर्ष 1996 और 1999 में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित हुए।
- एक सांसद के रूप में वाजपेयी को वर्ष 1994 में सर्वश्रेष्ठ सांसद के लिये **पंडित गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो उन्हें "सभी विधि निर्माताओं के लिये आदर्श" के रूप में परिभाषित करता है।**
- वर्ष 1994 में उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान **पद्म विभूषण** तथा वर्ष 2015 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
- 16 अगस्त, 2018 को उनका निधन हो गया।

पार्वती-अरगा पक्षी अभयारण्य इको-सेंसिटिव ज़ोन घोषित

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने जैव विविधता की रक्षा और उत्तरदायी पर्यावरण पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये **उत्तर प्रदेश** में स्थित पार्वती-अरगा पक्षी अभयारण्य **को इको-सेंसिटिव ज़ोन (ESZ) घोषित किया है।**

मुख्य बिंदु

- **अवस्थित:** पार्वती-अरगा पक्षी अभयारण्य **उत्तर प्रदेश के गोंडा ज़िले** में स्थित है।
- **प्राधिकरण:** यह घोषणा **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री** द्वारा की गई।
- **उद्देश्य:** इस निर्णय का उद्देश्य **जैव विविधता को सशक्त बनाना,** प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के आवासों का संरक्षण करना तथा अभयारण्य को उत्तरदायी पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है।
- **क्षेत्रफल एवं आवास:** यह अभयारण्य लगभग **1,084 हेक्टेयर में विस्तृत है** और सर्दियों के मौसम में **मध्य एशिया तथा तिब्बत** से **आने वाले प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करता है।**
- **वैधानिक आधार:** पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत घोषित।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **इको-सेंसिटिव ज़ोन (ESZ):** यह अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों जैसे संरक्षित क्षेत्रों के आसपास का **बफर क्षेत्र** है, जहाँ पर्यावरण तथा जैव विविधता के संरक्षण के लिये विकासात्मक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाता है।

विपणन विकास सहायता योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 के अंतर्गत सेवा निर्यातकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अपनी तरह की पहली विपणन विकास सहायता (MDA) योजना का शुभारंभ किया है।

- उत्तर प्रदेश इस प्रकार की नीति लागू करने वाला **भारत का पहला राज्य** बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - राज्य के **सेवा निर्यातकों** की **विपणन क्षमता** तथा **वैश्विक प्रतिस्पर्द्धात्मकता** को सुदृढ़ कर **सेवा निर्यात को प्रोत्साहन** प्रदान करना।
- **लक्षित लाभार्थी:**
  - उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्द्धन ब्यूरो (UPEPB) में पंजीकृत सेवा निर्यातक।
  - उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्द्धन परिषद में पंजीकृत इकाइयाँ।
  - भारत सरकार द्वारा चिह्नित 12 प्रमुख सेवा क्षेत्रों के अंतर्गत सेवाओं का निर्यात करने वाले सेवा प्रदाता।
- **वित्तीय सहायता प्रावधान:**
  - विदेशों में आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों** में सहभागिता हेतु **स्टॉल किराए की लागत का 75% तक** (अधिकतम **2 लाख रुपये**)।
  - एक प्रतिभागी के लिये **इकोनॉमी क्लास हवाई यात्रा व्यय का 75% तक** (अधिकतम **1 लाख रुपये**)।
  - भारत में आयोजित कार्यक्रमों के लिये सहायता:
    - स्टॉल किराया: अधिकतम **50,000 रुपये**
    - यात्रा व्यय: अधिकतम **25,000 रुपये**
  - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों के आयोजकों** को कुल लागत का **75% तक** (निर्धारित अधिकतम सीमा के अधीन) वित्तीय सहायता।
- **आर्थिक महत्त्व:**
  - इस योजना का उद्देश्य **उत्तर प्रदेश के सेवा क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार, रोज़गार सृजन, निवेश आकर्षण** तथा **राज्य के निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

विश्व एड्स दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने **विश्व एड्स दिवस 2025** के राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व किया। इस अवसर पर वे HIV रोकथाम, उपचार और कलंक उन्मूलन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की दिशा में प्रगति को गति देने के लिये नए **नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइज़ेशन (NACO) बहु-माध्यम अभियानों** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

विश्व एड्स दिवस

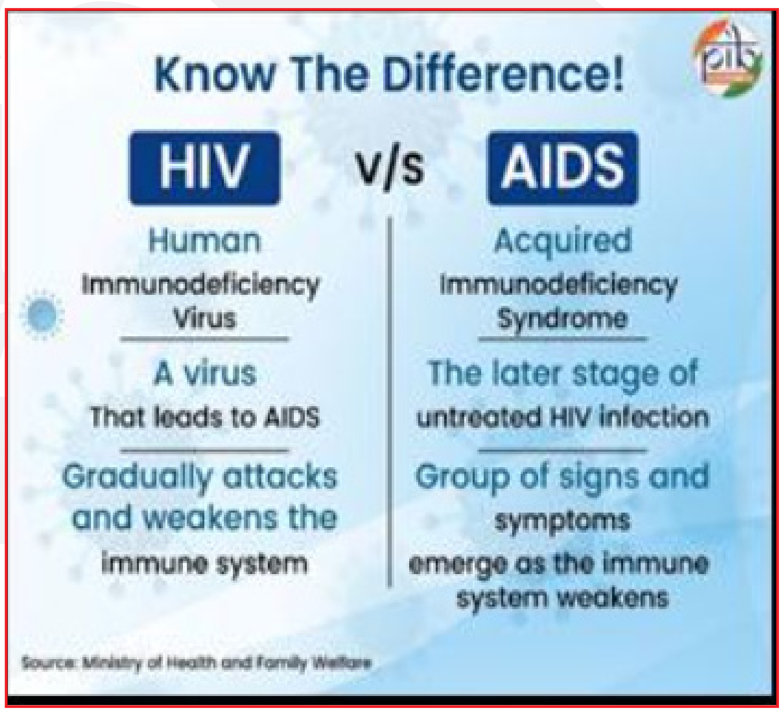

- **परिचय:** विश्व एड्स दिवस प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को HIV/AIDS महामारी के संबंध में **जागरूकता बढ़ाने,** HIV संबंधित बीमारियों से मृत लोगों को याद करने और HIV/AIDS के साथ जीवन यापन कर रहे लोगों का समर्थन करने के लिये मनाया जाने वाला एक वैश्विक अवलोकन है।
  - इसे पहली बार वर्ष 1988 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा चिह्नित किया गया था और तब से यह सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों के लिये इस रोग के विरुद्ध लड़ाई में एकजुट होने का एक मंच बन गया है।
- **विषय:** इस वर्ष की थीम, "**Overcoming disruption, transforming the AIDS response अर्थात अवरोधों को पार करना, एड्स प्रतिक्रिया को रूपांतरित करना**", अतीत की उपलब्धियों की रक्षा करने के साथ-साथ HIV सेवाओं को अधिक समुत्थानशील, न्यायसंगत और समुदाय-संचालित बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भारत में अवलोकन: भारत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के तहत राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) के नेतृत्व में **राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान,** सामुदायिक पहुँच गतिविधियों और नवीनीकृत सरकारी प्रतिबद्धताओं के माध्यम से प्रत्येक वर्ष विश्व एड्स दिवस मनाता है।

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस

- **परिचय:** HIV एक ऐसा वायरस है जो **CD4 कोशिकाओं** (श्वेत रक्त कोशिकाओं) पर हमला करके प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षति पहुँचाता है। यदि इसका उपचार न किया जाए, तो यह एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम) का कारण बन सकता है, जिससे शरीर संक्रमणों और कैंसर के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाता है।

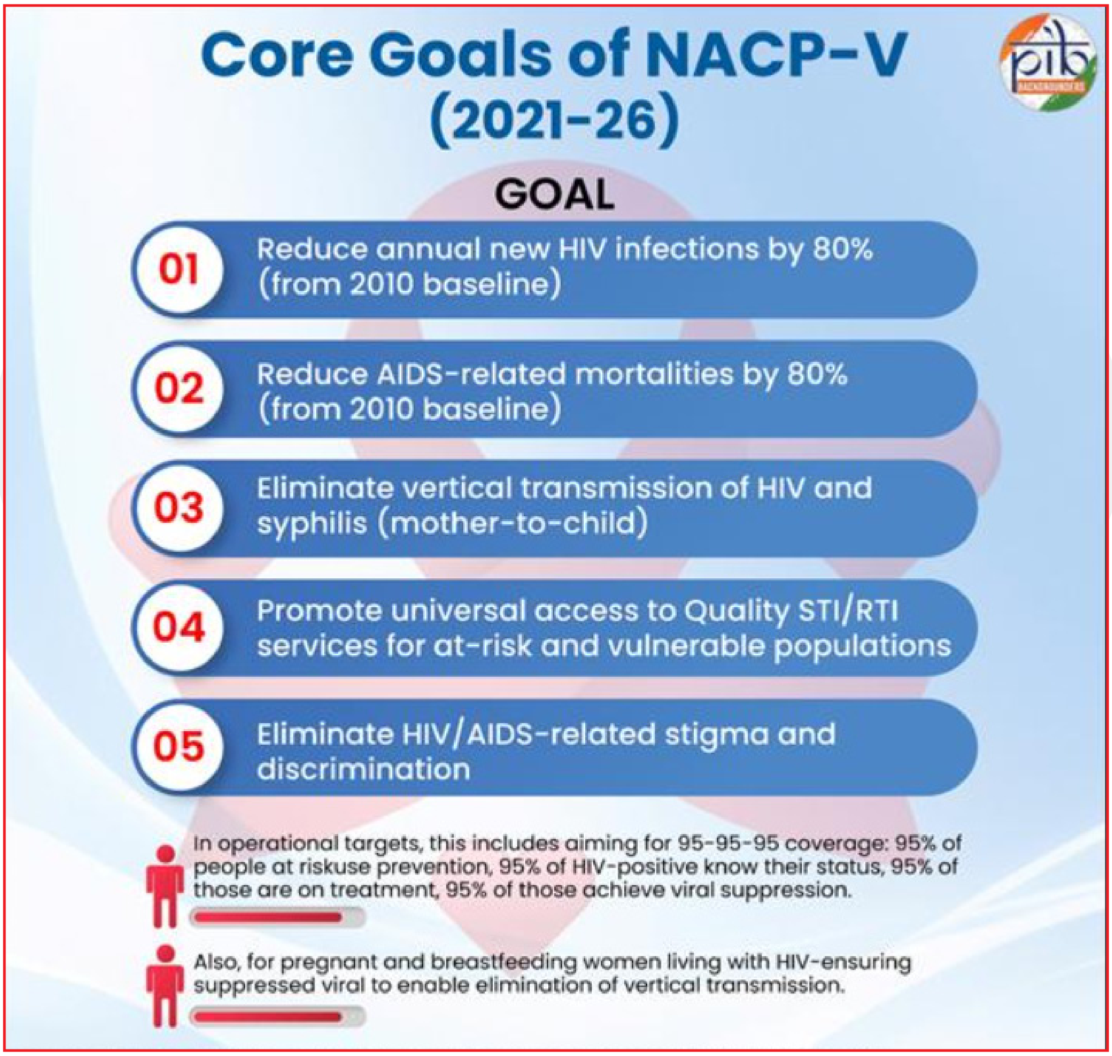

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **संचरण (ट्रांसमिशन):** HIV संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थों जैसे- रक्त, वीर्य, स्तन दूध और योनि स्राव के सीधे संपर्क से फैलता है। यह असुरक्षित यौन संबंध, टैटू बनवाने तथा सुइयाँ साझा करने के माध्यम से भी फैल सकता है। यह सामान्य दैनिक संपर्क (जैसे- हाथ मिलाना, गले मिलना, एक साथ भोजन करना, मच्छर के काटने आदि) से नहीं फैलता है।
- **लक्षण: प्रारंभिक अवस्था** (बुखार, चकत्ते), **बाद की अवस्था** (सूजी हुई लिम्फ नोड्स, वज़न कम होना, दस्त) और **गंभीर अवस्था** (तपेदिक, मस्तिष्कावरण शोथ, कैंसर (जैसे लिंफोमा))।
- **जोखिम कारक:** कई यौन साथी होना या यौन संचारित संक्रमण (STI) होना, असुरक्षित रक्त आधान।
- **निदान:** समान दिन के परिणामों के लिये **त्वरित नैदानिक परीक्षण, स्व-परीक्षण किट** और पुष्टिकरण **वायरोलॉजिकल परीक्षण**।
- **रोकथाम:** नियमित **HIV परीक्षण, STI जाँच,** सुरक्षित रक्त आधान और टैटू के लिये बंध्यीकृत सुइयों का उपयोग करना रोकथाम हेतु आवश्यक है।
- **उपचार:** HIV का कोई उपचार नहीं है, एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (ART) वायरस को नियंत्रित करने में सहायता करती है। स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये ART को जीवन भर प्रतिदिन लेना आवश्यक होता है।
- **उन्नत HIV रोग (AHD):** WHO AHD को CD4 <200 कोशिकाएँ/मिमी^{3} के रूप में परिभाषित करता है। AHD वाले लोगों की मृत्यु का उच्च जोखिम होता है, यहाँ तक कि ART शुरू करने के बाद भी।
- **वैश्विक प्रतिक्रिया:** वर्ष **2030 तक HIV महामारी** को समाप्त करना (संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 3.3)।
- **भारत की प्रगति: भारत HIV अनुमान 2023** के अनुसार, 2.5 मिलियन लोग HIV के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, जिसमें **0.2% वयस्क प्रसार** है। **वर्ष 2010** के बाद से नए संक्रमणों में **44% की गिरावट** आई है, जो वैश्विक **39% गिरावट** से अधिक है।
  - HIV/AIDS (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 HIV के साथ जीवन यापन करने वाले लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है और भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।
  - राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (NACP), जिसे वर्ष 1992 में शुरू किया गया था, भारत में HIV/AIDS के विरुद्ध लड़ाई में मुख्य आधार बना हुआ है।

वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025

चर्चा में क्यों?

भारत ने **वर्ल्ड स्किल्स एशिया प्रतियोगिता 2025** में अपनी **पहली भागीदारी** में 29 देशों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करते हुए **8वीं रैंक** प्राप्त करके वैश्विक कौशल मंच पर एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: ताइपे, ताइवान** में 27-29 नवंबर, 2025 को **नानगंग प्रदर्शनी केंद्र** में **तीसरी वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता** की मेज़बानी की गई। इस आयोजन ने शिक्षा, आर्थिक विकास, पर्यटन और अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये **29 एशियाई सदस्य** तथा अतिथि देशों के 500 से अधिक प्रतिभागियों को एक साथ लाया।
- **भागीदारी:** भारतीय दल में **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** तथा **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** के नेतृत्व में 21 विशेषज्ञों के समर्थन से 21 कौशल श्रेणियों में 23 प्रतियोगी शामिल थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पदक तालिका:** भारत ने **1 रजत, 2 कांस्य पदक और 3 उत्कृष्टता पदक (मेडलियन फॉर एक्सीलेंस)** प्राप्त किये। इनमें पेंटिंग एंड डेकोरेटिंग, इंडस्ट्रियल डिज़ाइन टेक्नोलॉजी, रोबोट सिस्टम इंटीग्रेशन, वेब टेक्नोलॉजीज़, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन और सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट जैसे कौशल क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल रहे।
- **महिलाओं की उपलब्धियाँ:** महिला प्रतियोगियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया, जिससे पदक तालिका में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला। उन्होंने **गैर-पारंपरिक कौशल** क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की और भारतीय प्रतिभागियों में सर्वाधिक समग्र अंक प्राप्त किये।
- **प्रशिक्षण एवं तैयारी:** प्रतियोगियों का चयन **इंडिया स्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन 2024** के माध्यम से किया गया था और उन्होंने सेक्टर स्किल काउंसिल्स, शैक्षणिक संस्थानों एवं वैश्विक विशेषज्ञों के समर्थन से उद्योग-नेतृत्व वाले महीनों के गहन प्रशिक्षण से गुज़रकर विश्व-स्तरीय तत्परता सुनिश्चित की।
- **महत्त्व एवं प्रभाव:** भारत का मज़बूत पदार्पण वैश्विक कौशल प्रतिभा के केंद्र के रूप में देश की बढ़ती स्थिति को मज़बूती प्रदान करता है। यह देश के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र की मज़बूती को दर्शाता है और **युवा उत्कृष्टता, मज़बूत प्रशिक्षण ढाँचे** तथा समर्पित राष्ट्रीय नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र की महत्त्वाकांक्षा को आगे बढ़ाता है।

भारत IMP काउंसिल में पुन: निर्वाचित

चर्चा में क्यों ?

भारत को वर्ष 2026-27 के लिये **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) काउंसिल में श्रेणी B** के अंतर्गत सर्वाधिक मतों के साथ पुन: निर्वाचित किया गया है, जिससे वैश्विक समुद्री मामलों में इसकी नेतृत्वकारी भूमिका की पुष्टि होती है।

- यह पुनर्निर्वाचन **इंडिया मैरीटाइम वीक 2025** की सफल मेज़बानी के बाद हुआ है जिसमें 100 से अधिक देशों ने भाग लिया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के बारे में:** अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन **संयुक्त राष्ट्र** की एक **विशेष एजेंसी है** जो अंतर्राष्ट्रीय शिपिंग की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार लाने तथा जहाज़ों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के उपाय करने हेतु उत्तरदायी है।
- यह विधिक मामलों में भी शामिल है, जिसमें दायित्व और मुआवज़े के मुद्दे, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय समुद्री यातायात की सुविधा भी शामिल है।
- **इसकी स्थापना 6 मार्च, 1948 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में अंगीकृत किये गए** एक अभिसमय के माध्यम से की गई थी तथा इसकी पहली बैठक जनवरी, 1959 में हुई थी।
- **IMO काउंसिल: काउंसिल IMO का कार्यकारी अंग है** और सभा के अधीन संगठन के कार्यों की देख-रेख हेतु उत्तरदायी है।
- **काउंसिल 40 सदस्य देशों** से बनी है, जिन्हें सभा द्वारा **दो वर्ष के कार्यकाल के लिये चुना जाता है।**
- निर्वाचन परिणाम:
- **लंदन** में 34वीं IMO असेंबली के दौरान हुए चुनावों में भारत को **169 वैध मतों में से 154 मत प्राप्त हुए**, जो श्रेणी B में सबसे अधिक है, जिसमें 10 प्रमुख समुद्री व्यापार राष्ट्र शामिल हैं।
  - श्रेणी B उन देशों का प्रतिनिधित्व करती है जिनकी **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सबसे अधिक रुचि है; भारत का पुनः निर्वाचन इसकी बढ़ती समुद्री प्रासंगिकता और प्रभाव को उजागर करता है।**
  - भारत के साथ-साथ, श्रेणी B के निर्वाचित सदस्यों में **ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, फ्राँस, जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात** शामिल हैं, जो प्रमुख समुद्री व्यापारिक राष्ट्रों के समूह को दर्शाते हैं।
- महत्त्व:
  - **यह भारत का लगातार दूसरा द्विवार्षिक सम्मेलन है, जिसमें उसे श्रेणी B में सर्वाधिक वोट** प्राप्त हुए हैं तथा यह अमृत काल समुद्री विज़न 2047 के तहत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी समुद्री केंद्र बनने की दिशा में प्रगति को बल देता है।
  - **यह अधिदेश सुरक्षित, संरक्षित, कुशल और हरित समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है तथा देश को वैश्विक नौवहन नीतियों को आकार देने में एक विश्वसनीय समर्थक के रूप में स्थापित करता है।

एयर मार्शल तेज़बीर सिंह महानिदेशक (निरीक्षण एवं सुरक्षा) नियुक्त

चर्चा में क्यों ?

एयर मार्शल तेज़बीर सिंह ने 1 दिसंबर, 2025 को वायु सेना मुख्यालय में **महानिदेशक (निरीक्षण और सुरक्षा)** के रूप में कार्यभार सँभाला।

मुख्य बिंदु

- **परिचय**
  - उनके पास **37 वर्षों का विशिष्ट सैन्य अनुभव** है, जिसके दौरान उन्होंने **बांग्लादेश में एयर अताशे (Air Attaché), राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में वरिष्ठ निर्देशन स्टाफ** तथा **वायु सेना संचालन (परिवहन एवं हेलीकॉप्टर)** के **सहायक वायु सेना प्रमुख** जैसे महत्त्वपूर्ण **कमांड एवं स्टाफ** दायित्वों का निर्वहन किया है।
- **शिक्षा:**
  - वह यूनाइटेड किंगडम **स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज़** के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परिचालन विशेषज्ञता:**
  - 7,000 से अधिक उड़ान घंटों के व्यापक अनुभव के साथ उन्होंने C-130J 'सुपर हरक्यूलिस' **विमान की परिचालन भूमिका के अधिष्ठापन** में अग्रणी योगदान दिया तथा **संयुक्त अभियानों हेतु प्रथम विशेष परिचालन स्क्वाड्रन की स्थापना** का नेतृत्व किया।
  - उन्होंने उत्तरी क्षेत्र में **दो प्रमुख उड़ान अड्डों, एक प्रमुख प्रशिक्षण अड्डे और एक अग्रिम पंक्ति के एयरबेस की कमान सँभाली है तथा हाल ही में मुख्यालय प्रशिक्षण कमान में वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी के रूप में प्रशिक्षण परिवर्तन का नेतृत्व किया है।**
- **सम्मान और उत्तराधिकार:**
  - वह **वायु सेना पदक** (2010) तथा अति विशिष्ट सेवा पदक (2018) के सम्मानित प्राप्तकर्त्ता हैं।
  - उन्होंने **एयर मार्शल मकरंद भास्कर रानाडे** का स्थान लिया, जो **39 वर्षों की सेवा** के उपरांत **30 नवंबर, 2025** को सेवानिवृत्त हुए।

सैटेलाइट-लिंक्ड हेरॉन एमके II (UAVs)

चर्चा में क्यों?

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर **से प्राप्त अनुभवों** के आधार पर, **अतिरिक्त सैटेलाइट-लिंक्ड हेरोन एमके II** मानवरहित हवाई वाहनों (UAVs) के लिये **नए आपातकालीन खरीद आदेश** जारी किये हैं।

मुख्य बिंदु

- तीनों सेनाओं में शामिल करना:
  - थलसेना और वायु सेना अपने मौजूदा हेरोन एमके II बेड़े (Fleet) का विस्तार कर रही हैं। जबकि **भारतीय नौसेना** इस प्लेटफॉर्म को पहली बार अपनाएगी।
    - भारतीय नौसेना **समुद्री निगरानी** के लिये पुराने इज़रायली **सर्चर UAVs** से अधिक **उन्नत हेरोन एमके II प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित होगी।**
- **संचालन तैनाती:** भारतीय सेना पहले ही हेरोन एमके II ड्रोन को **उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम आधारों** पर **खुफिया,** निगरानी और सैन्य सर्वेक्षण के लिये तैनात कर चुकी है।
- **युद्ध मूल्य:** हेरॉन एमके II जैसे UAVs उच्च-महत्त्व वाले खतरों, जिसमें **उन्नत वायु रक्षा प्रणाली** शामिल हैं, का पता लगाने, ट्रैक करने और निष्प्रभावी बनाने में महत्त्वपूर्ण हैं।
- **आपातकालीन सीमाएँ:** आपातकालीन खरीद नियमों के तहत, **300 करोड़ रुपये तक की लागत वाली प्रणालियाँ** बिना किसी लंबी प्रक्रिया के प्राप्त की जा सकती हैं।
- **स्वदेशीकरण को बढ़ावा:** इज़रायली रक्षा उद्योग भारतीय **सार्वजनिक और निजी कंपनियों** के साथ सहयोग कर **उत्पादन, प्रशिक्षण, रखरखाव तथा प्रणाली एकीकरण** को स्थानीयकरण कर रहा है, जो 'मेक इन इंडिया' के अनुरूप है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

हेरॉन एमके II

- **उच्च प्रदर्शन:** हेरोन एमके II एक **मध्यम-ऊँचाई, दीर्घ-अवधि क्षमता** वाला **UAV** है, जो लगभग **500 किग्रा पेलोड** ले जा सकता है **और लगातार 24 घंटे से अधिक उड़ान** भर सकता है।
- **उन्नत सेंसर:** यह सिंथेटिक एपर्चर राडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम तथा सिग्नल इंटेलिजेंस (SIGINT) सेंसर के माध्यम से सभी मौसम में खुफिया जानकारी प्रदान करता है।
- **दूरस्थ परिचालन: एन्क्रिप्टेड उपग्रह संचार** तथा पूर्णतया स्वचालित **टेक-ऑफ/लैंडिंग** इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं, जो इसे दृष्टि-रेखा से परे मिशनों, लचीली परिचालन योजना तथा विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में प्रभावी तैनाती को सक्षम बनाती हैं।

विवेक चतुर्वेदी CBIC प्रमुख नियुक्त

चर्चा में क्यों?

वर्ष 1990 बैच के IRS (सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर) अधिकारी **विवेक चतुर्वेदी** को कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

- उन्होंने **संजय कुमार अग्रवाल** का स्थान लिया, जो 30 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

मुख्य बिंदु

- उनके पास सीमाशुल्क प्रशासन, **खुफिया, सतर्कता, डेटा विश्लेषण तथा जोखिम प्रबंधन** में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वे वर्तमान में CBIC में **सदस्य (Tax Policy & Legal)** के रूप में कार्यरत हैं तथा इससे पूर्व विवेक रंजन के स्थान पर बोर्ड में शामिल हुए थे।
- विदेश मंत्रालय में **ब्रुसेल्स (2007-2011) में प्रथम सचिव के रूप में** उनके अंतर्राष्ट्रीय अनुभव को अगली पीढ़ी के सीमा शुल्क सुधारों के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण माना जाता है।
- अध्यक्ष के रूप में वे वित्तीय वर्ष **2026-27 के** संघीय बजट की तैयारियों में एक मुख्य भूमिका निभाएंगे, विशेषकर अप्रत्यक्ष करों के लिये, ऐसे समय में जब **GST दरों** में परिवर्तन तथा राजस्व-लचीलेपन बनाए रखने की आवश्यकता है।
- उनसे सीमा-शुल्क आधुनिकीकरण के अगले चरण का नेतृत्व करने की अपेक्षा है, जिसमें **डिजिटलीकरण, त्वरित क्लीयरेंस, सख्त अनुपालन-व्यवस्थाएँ** तथा अधिक **प्रौद्योगिकी-संचालित** GST **और** सीमा-शुल्क पारिस्थितिकी तंत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड

- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (पूर्ववर्ती केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड) **भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के** अधीन **राजस्व विभाग का एक अंग है।**
- यह सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर **तथा IGST** के अधिरोपण और संग्रहण से संबंधित नीति-निर्माण, **तस्करी की रोकथाम एवं CBIC** के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, IGST और नारकोटिक्स से संबंधित मामलों के प्रशासन के कार्यों से संबंधित है।
- बोर्ड अपने अधीनस्थ संगठनों—**कस्टम हाउस, केंद्रीय उत्पाद शुल्क तथा केंद्रीय GST आयुक्तालयों** तथा **सेंट्रल रेवेन्यूज कंट्रोल लेबोरेटरी** का प्रशासनिक प्राधिकरण है।

ALIMCO का 53वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) ने अपना **53वाँ स्थापना दिवस एक नए कॉर्पोरेट लोगो का** अनावरण करके और दो गतिशीलता समाधानों एक **3-व्हीलर** इलेक्ट्रिक वाहन (EV) स्कूटर तथा एक **क्लिप-ऑन मोटराइज्ड व्हीलचेयर** को लॉन्च करके मनाया।

- ALIMCO ने 80 से अधिक स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पहलों तथा **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** समर्थित और स्मार्ट डिजिटल सहायक प्रौद्योगिकियों के विकास की घोषणा की, ताकि संपूर्ण देश में **उच्च-गुणवत्ता वाले, सुलभ सहायक उपकरण** उपलब्ध कराए जा सकें।

मुख्य बिंदु

- **स्थिति:**
  - भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) कंपनी अधिनियम, 2013 **की धारा 8** के तहत पंजीकृत **अनुसूची 'C' मिनीरत्न श्रेणी II** केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम **है, जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,** दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधीन कार्यरत है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्वामित्व:**
  - यह 100% **सरकारी स्वामित्व वाला केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।**
- **उद्देश्य:**
  - इसका मुख्य उद्देश्य **पुनर्वास उपकरणों का निर्माण करके** दिव्यांगजनों **को लाभान्वित करना** तथा देश में कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों की व्यापक उपलब्धता, आपूर्ति तथा वितरण सुनिश्चित करना है।
- **गैर-लाभकारी अभिमुखता:**
  - बिना किसी लाभ के उद्देश्य से संचालित, इसका प्राथमिक उद्देश्य अधिकतम संख्या में दिव्यांगजनों को उचित मूल्य पर **उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है।**
- **संपर्क का विस्तार:**
  - दिव्यांगजन सहायता (ADIP) योजना के अंतर्गत कवरेज को व्यापक बनाने हेतु ALIMCO ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राष्ट्रीय संस्थानों और क्षेत्रीय केंद्रों में प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र (PMDK) की स्थापना आरंभ की है।
- **विशिष्टता:**
  - ALIMCO देश का एकमात्र विनिर्माण संगठन है, जो सभी प्रकार की **दिव्यांगताओं हेतु एक** ही छत के नीचे **सहायक उपकरणों की संपूर्ण शृंखला** का उत्पादन करता है।

संचार साथी ऐप

चर्चा में क्यों?

दूरसंचार विभाग ने सभी मोबाइल निर्माताओं तथा आयातकों को निर्देश दिया है कि **संचार साथी मोबाइल एप्लीकेशन** भारत में बेचे जाने वाले सभी उपकरणों में **प्री-इंस्टॉल** तथा **आसानी से उपलब्ध** होनी चाहिये।

- यह निर्देश भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In) को सूचित **साइबर-घटनाओं** में तीव्र वृद्धि के बाद जारी किया गया है, जो **वर्ष 2023** में 15.92 लाख से बढ़कर **वर्ष 2024** में 20.41 लाख हो गए हैं, जिनमें **1.23 लाख डिजिटल-अरेस्ट** मामले भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **दूरसंचार विभाग (DOT)** ने नागरिकों को **पहचान-चोरी**, फर्जी अपने ग्राहक को जानो (KYC) **धोखाधड़ी**, **डिवाइस चोरी** तथा वित्तीय साइबर-अपराधों से बचाने के लिये **संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन** लॉन्च किया।
- **गोपनीयता-प्रथम डिज़ाइन (Privacy-First Design):** एप्लिकेशन केवल **उपयोगकर्त्ता की सहमति** से कार्य करता है, जिसे कभी भी एक्टिव या डिलीट किया जा सकता है तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 का पालन करता है, जिससे **न्यूनतम डेटा-संग्रह** तथा **शून्य वाणिज्यिक प्रोफाइलिंग** सुनिश्चित होती है।
- **राष्ट्रीय दूरसंचार विनियम:** यह पहल **स्पैम**, **घोटालों** तथा **अवांछित वाणिज्यिक संचार** की आसान रिपोर्टिंग को सक्षम बनाकर भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) के नियमों, विशेषकर **दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम (TC-CCPR)** के प्रवर्तन को मज़बूत करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नागरिक-केंद्रित सेवाएँ:** प्रमुख विशेषताओं में **धोखाधड़ी कॉल/SMS/**व्हाट्सएप **संदेशों** की रिपोर्टिंग के लिये चक्षु (Chakshu); **चोरी हुए उपकरणों** के लिये **IMEI ट्रैकिंग और ब्लॉकिंग; मोबाइल कनेक्शन का सत्यापन; मोबाइल हैंडसेट की वास्तविकता की जाँच; भारतीय (+91) नंबरों** के रूप में नकली अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्टिंग तथा **अपने इंटरनेट सेवा प्रदाता को जानें** लुकअप टूल शामिल हैं।
- **महत्त्व:** एंड्रॉइड और **iOS** दोनों पर हिंदी तथा 21 भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध यह एप्लिकेशन **नागरिक भागीदारी (जन भागीदारी)** को सशक्त बनाता है, **सार्वजनिक डैशबोर्ड** के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करता है तथा **सुरक्षित दूरसंचार उपयोग** के लिये राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल विश्वास स्थापित करता है।
- **वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक (FRI):** दूरसंचार विभाग ने **वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक** विकसित किया है, जो मोबाइल नंबरों को **मध्यम**, **उच्च** अथवा **अत्यधिक उच्च** धोखाधड़ी-जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत करता है, जिससे **बैंकों**, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) तथा एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) सेवा प्रदाताओं को क्षति से बचने में सहायता मिलती है और अब तक 475 करोड़ रुपये की संभावित वित्तीय धोखाधड़ी को रोका जा चुका है।

असम दिवस

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दिवस पर असम के लोगों को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - **असम राज्य सरकार** ने **शिवसागर ज़िले** के **नाज़िरा** में भव्य समारोह के साथ **असम दिवस (सुकफा दिवस)** मनाया।
  - यह कार्यक्रम **सांस्कृतिक मामलों के विभाग** और **ताई अहोम विकास परिषद** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
  - समारोह में **पारंपरिक अहोम अनुष्ठान**, **सांस्कृतिक प्रदर्शन** और अहोम राजवंश के योगदान को उजागर करने वाली **प्रदर्शनियाँ** शामिल थीं।
- **स्मरणोत्सव:**
  - 2 दिसंबर को **असम दिवस** के रूप में मनाया जाता है, जो वर्ष 1228 में चाओलुंग सुकफा के वर्तमान चीन के **देहोंग दाई** और **जिंगपो प्रांत** से **पटकाई पहाड़ियों** को पार करने के बाद असम में आगमन की याद में मनाया जाता है।
- **संस्थापक:**
  - यह दिवस **सुकफा** को अहोम साम्राज्य के संस्थापक के रूप में सम्मानित करता है, जिनकी '**बोर असोम**' विरासत लगभग छह शताब्दियों तक (1826 तक) चली।
    - **अहोम शासकों** ने असम की **पहचान** और **क्षेत्र की रक्षा** की तथा कई मुगल आक्रमणों को विफल किया।
- **उत्पत्ति:**
  - वह **माओ-शान उप-जनजाति** के **सु (टाइगर) कबीले** के एक **ताई राजकुमार** थे, जो मूल रूप से वर्तमान **देहोंग दाई** और **जिंगपो क्षेत्र के मोंग माओ** से थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **शासन:**
  - उनके प्रशासन ने **सुदृढ़ शासन, राजनीतिक स्थिरता और दीर्घकालिक राज्य निर्माण** के प्रारंभिक मानक स्थापित किये।
  - अहोमों ने पुराने राजनीतिक व्यवस्था **भुइयाँ (ज़मींदारों)** को दबाकर नया राज्य स्थापित किया।
- **समाज:**
  - अहोम समाज **कुलों** या **खेलों (khels)** में विभाजित था। एक खेल अक्सर **कई गाँवों** पर नियंत्रण रखता था।
- **विरासत:**
  - **सुकफा** को **असमिया पहचान** के निर्माता के रूप में याद किया जाता है, जो **एकता से प्रेरित, समावेशी नेतृत्व** के लिये जाने जाते हैं और जिन्होंने विभिन्न **समुदायों** को संगठित करने का प्रयास किया।

नौसेना दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना 3-4 दिसंबर, 2025 को **तिरुवनंतपुरम** के **शंगुमुघम समुद्र तट** पर व्यापक स्तर पर **परिचालन प्रदर्शन** के साथ नौसेना दिवस मना रही है।

- **जिसमें भारत के** राष्ट्रपति और **सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर** मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हैं तथा इस कार्यक्रम की मेज़बानी **नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी** कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

परिचालन प्रदर्शन 2025

- **संपर्क एवं पहुँच (Outreach):**
  - यह समारोह **नौसेना दिवस** के कार्यक्रमों को प्रमुख **नौसैनिक अड्डों** से परे आयोजित करने की **भारतीय नौसेना** की पहल का हिस्सा है। इससे पहले **पुरी** और **सिंधुदुर्ग** में भी कार्यक्रम आयोजित किये गए थे।
- **प्रदर्शन (Showcase):**
  - परिचालन प्रदर्शन में युद्धपोतों, **नौसैनिक विमानों और** पनडुब्बियों द्वारा समन्वित कार्रवाई के माध्यम से **भारत की समुद्री शक्ति का प्रदर्शन किया जा रहा है।**
- **तत्परता:**
  - यह प्रदर्शन **भारतीय नौसेना** के **"युद्ध के लिये तैयार, एकजुट और आत्मनिर्भर"** होने के सिद्धांत को पुष्ट करता है, जो **भारत के समुद्री हितों** की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है।
- **आत्मनिर्भरता:**
  - यह स्वदेशी रूप से निर्मित **नौसैनिक प्लेटफार्मों** पर केंद्रित है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के राष्ट्रीय दृष्टिकोण का समर्थन करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नौसेना दिवस

- **स्मरणोत्सव:**
  - **वर्ष 1971 के** भारत-पाकिस्तान युद्ध में **ऑपरेशन ट्राइडेंट** के दौरान भारत की निर्णायक नौसैनिक जीत के सम्मान में **4 दिसंबर** को नौसेना दिवस मनाया जाता है।
  - **ऑपरेशन ट्राइडेंट** के दौरान, भारतीय नौसेना की मिसाइल नौकाओं ने कराची में पाकिस्तानी जहाज़ों, तेल सुविधाओं और **तटीय सुरक्षा पर सफलतापूर्वक हमला किया।**
  - भारतीय नौसेना ने महत्त्वपूर्ण युद्ध सामग्री ले जा रहे कई पाकिस्तानी जहाज़ों को नष्ट कर दिया, जिससे **पाकिस्तान की परिचालन क्षमता कमज़ोर हो गई।**
- **वायुशक्ति:**
  - INS विक्रांत के **लड़ाकू विमानों** ने **चटगाँव** और **खुलना** में दुश्मन के **बंदरगाहों** तथा **हवाई अड्डों** पर हमला किया। कराची पर **मिसाइल हमलों** के साथ-साथ इन हमलों ने **पूर्वी पाकिस्तान** में पाकिस्तानी सेना को हराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑपरेशन सागर बंधु

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना ने चक्रवाती तूफान दित्वा से प्रभावित **श्रीलंका** में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से **मानवीय सहायता और आपदा राहत** अभियान आरंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **तैनाती (Deployment):** भारत ने INS विक्रांत, **INS उदयगिरि** और भारतीय वायु सेना के **C-130J** विमान के माध्यम से **तंबू, कंबल, खाद्य सामग्री, स्वच्छता किट** एवं टारपॉलिन भेजे, ताकि श्रीलंका में सहायता प्रदान की जा सके।
- **पुन:आवंटन (Reassignment):** **INS विक्रांत** और **INS उदयगिरि**, जो **75वीं वर्षगाँठ अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट समीक्षा (International Fleet Review) के लिये कोलंबो में** पहले से मौजूद थे, उन्हें प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुँचाने के लिये पुन: आवंटित किया गया।
- **राहत एवं बचाव (Rescue):** जहाज़ों पर आधारित हेलीकॉप्टरों ने **हवाई सर्वेक्षण** किया और खोज एवं बचाव (Search and Rescue) अभियान में मदद की, जिसमें श्रीलंकाई नागरिकों को बचाया गया।
- **सुदृढ़ीकरण (Reinforcement):** **INS सुकन्या** को 1 दिसंबर, 2025 को त्रिनकोमाली में अतिरिक्त आवश्यक सामग्री के साथ **राहत प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिये तैनात** किया गया।
- **प्रतिबद्धता (Commitment):** यह मिशन भारत के श्रीलंका के प्रति **सतत मानवीय समर्थन** को दर्शाता है, जो नेबरहुड फर्स्ट' नीति और **विज़न महासागर** के अनुरूप है, जैसा कि पहले चक्रवात रोआनू (2016) एवं **MV एक्सप्रेस पर्ल आपदा (2021)** के दौरान सहायता में देखा गया था।
- **भारत के पूर्व अभियान:**
  - नेपाल में ऑपरेशन मैत्री
  - इंडोनेशिया में ऑपरेशन समुद्र मैत्री
  - तुर्किये और सीरिया में ऑपरेशन दोस्त

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत की मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास:
  - बिम्सटेक देशों के साथ पैनेक्स-21
  - आसियान देशों के साथ समन्वय-22

नोट:
- **चक्रवात दित्वा** एक उष्णकटिबंधीय तूफान है, जो बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी में तीव्र गति से विकसित हुआ।
  - दित्वा नाम **यमन द्वारा दिया गया था,** जो उत्तरी हिंद महासागर के चक्रवातों के लिये क्षेत्रीय नामकरण प्रणाली का अनुसरण करता है।

भारत-मालदीव संयुक्त सैन्य अभ्यास

चर्चा में क्यों?

भारतीय सेना और **मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल** के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास एकुवेरिन का 14वाँ संस्करण **2 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2025 तक केरल के तिरुवनंतपुरम** में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **भागीदारी: गढ़वाल राइफल्स बटालियन** की 45 सदस्यीय भारतीय सेना की टुकड़ी, **मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल** की 45 सदस्यीय टुकड़ी के साथ प्रशिक्षण ले रही है।
- **अर्थ: एकुवेरिन**, जो धिवेही शब्द **"मित्र"** से लिया गया है, भारत और मालदीव के बीच **विश्वास** तथा **सहयोग** के घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।
- **परंपरा:** वर्ष 2009 से दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित यह अभ्यास **भारत की** नेबरहुड फर्स्ट' नीति का एक प्रमुख घटक है।
- **प्रशिक्षण:** सैनिक **जंगल, अर्द्ध-शहरी** और **तटीय क्षेत्रों** में संयुक्त **उग्रवाद-रोधी** तथा **आतंकवाद-रोधी प्रशिक्षण** आयोजित करेंगे।
- **समन्वय:** इस अभ्यास में **संयुक्त मिशन योजना, सामरिक अभ्यास** और **समन्वित परिचालन प्रतिक्रियाओं** के निर्माण के लिये **सर्वोत्तम प्रथाओं** का आदान-प्रदान शामिल है।
  - इसका उद्देश्य दोनों बलों के बीच **अंतर-संचालन क्षमता** में सुधार और **संचालनात्मक सहकार्य** (operational synergy) बढ़ाना है।
- **स्थिरता:** यह अभ्यास हिंद महासागर क्षेत्र में **क्षेत्रीय शांति** और **स्थिरता** के प्रति भारत तथा मालदीव के बढ़ते **रक्षा सहयोग** एवं आपसी **प्रतिबद्धता** को दर्शाता है।

ज्ञानेश कुमार ने IDEA परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की

चर्चा में क्यों?

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम, स्वीडन में वर्ष 2026 के लिये अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन सहायता संस्थान (International IDEA) की सदस्य-राष्ट्र परिषद की अध्यक्षता औपचारिक रूप से ग्रहण की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - **वर्ष** 1995 में स्थापित **अंतर्राष्ट्रीय** IDEA के वर्तमान में **35 सदस्य देश** हैं; **संयुक्त राज्य अमेरिका** तथा **जापान** इसके **पर्यवेक्षक** राष्ट्र हैं।
  - वर्ष 2003 से इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा **में पर्यवेक्षक का दर्जा** प्राप्त है।
- **साझेदारी:**
  - भारत के नेतृत्व में **मॉरीशस** और **मैक्सिको** वर्ष 2026 के लिये **उपाध्यक्ष** की भूमिका निभाएंगे।
- **वैश्विक मान्यता:**
  - यह अध्यक्षता भारत के लिये एक **महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि** है, जो भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) को विश्व के सबसे **विश्वसनीय, पारदर्शी और नवोन्मेषी** चुनाव प्रबंधन निकायों में स्थापित करती है।
  - भारत, एक **संस्थापक सदस्य** होने के नाते, IDEA के शासन और लोकतांत्रिक पहलों में निरंतर योगदान देता रहा है।
- **विज़न:**
  - CEC **ज्ञानेश कुमार** ने आश्वासन दिया कि भारत की अध्यक्षता **निर्णायक, महत्त्वाकांक्षी और कार्यान्वयन-उन्मुख** होगी।
  - यह **"समावेशी, शांतिपूर्ण, लचीले और स्थायी विश्व के लिये लोकतंत्र"** थीम से निर्देशित रहेगी तथा दो मुख्य स्तंभों पर केंद्रित होगी:
    - **भविष्य के लिये लोकतंत्र की पुनर्कल्पना,**
    - **स्थायी लोकतंत्र हेतु स्वतंत्र एवं पेशेवर चुनाव प्रबंधन निकायों का सुदृढ़ीकरण।**

भारत की प्रथम पूर्णतः विद्युत चालित टग परियोजना

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय बंदरगाह, जहाज़रानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भारत के प्रथम पूर्ण-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग को वर्चुअली प्रस्थान-संकेत दिया, जो ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम (GTTP) के तहत **सतत** तथा **ऊर्जा-कुशल** समुद्री परिचालन के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि है।

टग (या टगबोट) एक **शक्तिशाली** तथा अत्यधिक **नियंत्रित** रूप से संचालित होने वाला **पोत है,** जिसका उपयोग बड़े जहाज़ों को बंदरगाह क्षेत्रों में **मार्गदर्शन, टोइंग, बर्थिंग, एस्कॉर्टिंग तथा आपात प्रतिक्रिया** जैसे परिचालनों में किया जाता है, विशेषकर उन सीमित जलक्षेत्रों में जहाँ अत्यधिक परिशुद्धता की आवश्यकता होती है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य तथा डिज़ाइन:**
  - **दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (DPA),** कांडला के लिये निर्मित यह **टगबोट** भारत के समुद्री **डी-कार्बोनाइज़ेशन लक्ष्यों** को आगे बढ़ाने हेतु विकसित किया जा रहा है।
  - यह *शांत संचालन, शून्य कार्बन उत्सर्जन, अनुकूलित ऊर्जा दक्षता* तथा *60-टन बोलार्ड-पुल क्षमता* सुनिश्चित करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **GTTP रोडमैप:**
  - ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम का लक्ष्य वर्ष 2030 तक **50 ग्रीन टग** शामिल करना है। चरण-I (2024–2027) में **16 टग** निर्धारित हैं।
  - DPA, पारादीप पोर्ट अथॉरिटी, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी तथा VO चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी में दो-दो टग स्थापित किये जाएंगे, जिनमें **DPA निर्माण प्रारंभ करने वाला पहला बंदरगाह** होगा।
- **भविष्य का एकीकरण:**
  - तैनाती के उपरांत यह टग ***शून्य उत्सर्जन* के साथ बंदरगाह संचालन, अनुरक्षण तथा आपातकालीन प्रतिक्रियाओं में सहयोग करेगा**। यह भविष्य के GTTP चरणों के लिये महत्त्वपूर्ण परिचालन डेटा भी उत्पन्न करेगा।
  - यह पहल मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030, ***अमृतकाल प्रतिबद्धताओं*** और अंतर्राष्ट्रीय डी-कार्बोनाइज़ेशन ढाँचों के अनुरूप है।
- **रणनीतिक प्रभाव:**
  - DPA की यह पहल भारत के **स्वच्छ-ऊर्जा बंदरगाहों** की ओर संक्रमण को रेखांकित करती है, **अत्रेय शिपयार्ड** के माध्यम से मेक इन इंडिया जहाज़-निर्माण को सुदृढ़ बनाती है और देश को **हरित समुद्री नवाचार के एक उभरते वैश्विक केंद्र** के रूप में स्थापित करती है।

खुदीराम बोस जयंती

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें **वीरता, साहस और बलिदान** का शाश्वत प्रतीक बताया।

मुख्य बिंदु

- **जन्म और प्रारंभिक जीवन:**
  - खुदीराम बोस का जन्म **3 दिसंबर, 1889 को हबीबपुर गाँव, मिदनापुर ज़िले, पश्चिम बंगाल** में हुआ था।
  - वे अपने परिवार में **इकलौते पुत्र** थे, माता-पिता के निधन के कारण उन्हें बचपन में ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।
- **प्रारंभिक प्रभाव:**
  - अरबिंदो घोष और सिस्टर निवेदिता के सार्वजनिक भाषणों से प्रेरित होकर, वे 1900 के दशक के प्रारंभ में स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए।
- **विभाजन आंदोलन में भूमिका:**
  - वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान, वे एक सक्रिय स्वयंसेवक बन गए और मात्र **15 वर्ष** की आयु में ब्रिटिश-विरोधी पर्चे बाँटने के कारण उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया।
- **अनुशीलन समिति में शामिल होना:**
  - **वर्ष 1908 में, खुदीराम अरबिंदो और बारींद्र घोष** के नेतृत्व वाले क्रांतिकारी समूह अनुशीलन समिति में शामिल हो गए, जहाँ उन्होंने बम बनाना सीखा तथा ब्रिटिश अधिकारियों को निशाना बनाया।
  - क्रांतिकारियों ने कलकत्ता के मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट **डगलस एच. किंग्सफोर्ड को,** जो राष्ट्रवादियों के साथ क्रूर व्यवहार के लिये जाने जाते थे, अपना प्राथमिक लक्ष्य बनाया और खुदीराम तथा **प्रफुल्ल चाकी को** उनकी हत्या करने के लिये भेजा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बम हमले का प्रयास:**
  - **30 अप्रैल, 1908 को** खुदीराम ने क्लब के बाहर किंग्सफोर्ड की गाड़ी पर बम फेंका, लेकिन इससे बैरिस्टर की पत्नी और बेटी **श्रीमती तथा मिस कैनेडी की दुखद मौत हो गई, जबकि किंग्सफोर्ड बच निकला।**
- **गिरफ्तारी और परिणाम:**
  - प्रफुल्ल चाकी ने गिरफ्तारी से पूर्व ही आत्महत्या कर ली, **जबकि खुदीराम को** 25 किमी. पैदल चलने के बाद **वैनी स्टेशन** पर पकड़ लिया; उनकी गिरफ्तारी के समय स्थानीय जनता ने उनकी निर्भीकता और राष्ट्रनिष्ठा की सराहना की।
- **फाँसी और शहादत**
  - मुकदमे के बाद, खुदीराम बोस को **11 अगस्त, 1908 को 18 वर्ष की आयु में फाँसी दे दी गई,** जो **भारत के सबसे कम उम्र के शहीदों में से एक थे।**
  - समाचार-पत्रों ने उनकी बहादुरी को उजागर किया गया, उनकी अंतिम यात्रा के दौरान भीड़ ने फूल बरसाए और कवि **पीतांबर दास ने** प्रसिद्ध बंगाली गीत **"एक बार बिदाये दे मा" में उन्हें अमर कर दिया,** जिससे बंगाल की लोककथाओं में उनकी विरासत संरक्षित हो गई।

अंटार्कटिका दिवस

चर्चा में क्यों?

भारत ने **1 दिसंबर, 2025** को अंटार्कटिका दिवस मनाया और साथ ही राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR), **गोवा** की **25वीं वर्षगाँठ** का उत्सव भी मनाया, जिसने ध्रुवीय तथा महासागरीय अन्वेषण में देश के अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि की।

मुख्य बिंदु

अंटार्कटिका दिवस

- **संधि पर हस्ताक्षर (1959):** अंटार्कटिका संधि पर **1 दिसंबर, 1959 को** 12 देशों द्वारा हस्ताक्षर किये गए थे, जिसके तहत **पृथ्वी के लगभग 10% क्षेत्र** का उपयोग पूरी मानवता के लाभ के लिये विशेष रूप से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये किया जाना था।
- **ऐतिहासिक पहल:** यह संधि पहला परमाणु-हथियार नियंत्रण समझौता बन गई तथा पहली ऐसी संस्थान बन गई है, जो **राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र से बाहर अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में मानव गतिविधियों का नियंत्रण** करती है।
- **अंटार्कटिक संधि शिखर सम्मेलन (2009):** वर्ष 2009 में **50वीं वर्षगाँठ शिखर सम्मेलन में** अंटार्कटिक संधि के तहत शांतिपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के पाँच दशकों का उत्सव मनाया गया।
- **अंटार्कटिका दिवस का निर्माण (2010):** 50 वर्ष के समारोहों से प्रेरित होकर, **फाउंडेशन फॉर द गुड गवर्नेंस ऑफ इंटरनेशनल स्पेसेस (आवर स्पेसेस)** ने वर्ष **2010 में अंटार्कटिका दिवस की शुरुआत की।**
- **उद्देश्य:** अंटार्कटिका दिवस का उद्देश्य संधि के बारे में वैश्विक जागरूकता प्रचारित करना तथा इसे मानव सभ्यता में शांति और सहयोग के एक उपलब्धि के रूप में मनाना है।
- **भारत की भूमिका: भारत वर्ष 1983 से एक परामर्शदात्री पक्ष** रहा है, जिससे उसे **मतदान का अधिकार मिला है और अनुसंधान केंद्रों को संचालित करने** तथा अंटार्कटिका के वैज्ञानिक तथा पर्यावरणीय शासन में योगदान करने की क्षमता मिली है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागरीय अनुसंधान केंद्र (NCPOR)

- **स्थापना:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 1998 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के तहत की गई थी। यह भारत के **अंटार्कटिक कार्यक्रम** के समन्वय और अनुसंधान स्टेशनों- मैत्री (1989) तथा भारती (2011) के रखरखाव के लिये **नोडल एजेंसी** है।
- **भूमिका:**
  - गोवा में स्थित यह केंद्र **बहु-विषयक ध्रुवीय और दक्षिणी महासागर अनुसंधान** का नेतृत्व करता है तथा इसमें **पीएच.डी. अध्ययन** हेतु **मान्यता प्राप्त अनुसंधान सुविधाएँ** उपलब्ध हैं। यह भारत के डीप ओशन मिशन में भी मुख्य भूमिका निभाता है, जिससे **ध्रुवीय विज्ञान** को **रणनीतिक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं** के साथ जोड़ा जाता है।
- **अनुसंधान केंद्र:** NCPOR ने भारत के स्थायी अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की है: दक्षिण गंगोत्री, मैत्री, भारती (अंटार्कटिका) और हिमाद्री (आर्कटिक), साथ ही **हिमालयी अनुसंधान केंद्र हिमांश** भी संचालित करता है।
- **भविष्य की पहल: वित्त मंत्रालय** ने मैत्री-II, एक नया **पूर्वी अंटार्कटिका अनुसंधान केंद्र**, जो NCPOR द्वारा संचालित होगा, को अनुमोदित किया है।

BSF स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

भारतीय प्रधानमंत्री ने BSF के सुरक्षा-कर्मियों को उनके स्थापना दिवस पर बधाई दी और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने तथा मानवीय कार्यों में उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

मुख्य बिंदु

- **स्थापना:** BSF की स्थापना वर्ष 1965 में **भारत-पाकिस्तान युद्ध** के बाद सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिये की गई थी।
  - यह **विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है**, जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ **भारत की 6,000 किमी. से अधिक भूमि सीमा की सुरक्षा करता है।**
- **मानवीय योगदान:** BSF अपनी सुरक्षा ज़िम्मेदारियों के साथ-साथ मानवीय गतिविधियों के लिये भी जाना जाता है, जिनमें शामिल हैं:
  - आपदा राहत अभियान
  - सीमावर्ती गाँवों में सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम
  - चिकित्सा शिविर और शैक्षणिक सहायता
- **परिचालन उत्कृष्टता:** BSF **आतंकवाद विरोधी, तस्करी विरोधी और घुसपैठ विरोधी अभियानों** में प्रमुख भूमिका निभाता है।
  - इसके कार्मिकों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में असाधारण बहादुरी दिखाई है:
    - अंतर्राष्ट्रीय सीमा गश्त
    - आतंकवाद विरोधी कार्रवाई
    - नागरिक अधिकारियों के साथ शांति स्थापना और सहयोग

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारत के सात सुरक्षा बल शामिल हैं।

असम राइफल्स (AR)

- **स्थापना:** वर्ष 1835, मिलिशिया के रूप में जिसे 'कछार लेवी' के नाम से जाना जाता था।
  - **पूर्ववर्ती उद्देश्य:** ब्रिटिश चाय बागानों की रक्षा करना।
- **वर्तमान उद्देश्य:**
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना।
  - भारत-चीन और भारत-म्याँमार सीमाओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- **महत्त्वपूर्ण भूमिका:**
  - भारत-चीन युद्ध, 1962
  - श्रीलंका के लिये भारतीय शांति रक्षा सेना (IPKF) (1987) के रूप में।

आदिवासी इलाकों से लंबे जुड़ाव के कारण असम राइफल्स को 'उत्तर पूर्व का मित्र' भी कहा जाता है

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- **स्थापना:** वर्ष 1965
- **उद्देश्य:**
  - पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के साथ भूमि सीमाओं को सुरक्षित करना।
  - साथ ही कश्मीर घाटी में घुसपैठ की समस्याओं को रोकना।
  - उत्तर पूर्वी क्षेत्रों (NER) में उग्रवाद का मुकाबला करना।
  - ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाना।
- **विंग:** एयर विंग, समुद्री विंग, आर्टिलरी रेजीमेंट और कमाण्डो यूनिट्स।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) भारत का पहला लाइन ऑफ़ डिफेंस और विश्व का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- **स्वतंत्रता-पूर्व स्थापना:** वर्ष 1939 (क्राउन रिप्रेजेंटेटिव्स पुलिस)।
- **स्वतंत्रता के पश्चात:** वर्ष 1949 - CRPF अधिनियम के तहत, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल के रूप में नामित किया गया।
- **उद्देश्य:** भीड़ नियंत्रण, दंगा नियंत्रण, काउंटर मिलिटेंसी/उग्रवाद संचालन, आदि।

CRPF आंतरिक सुरक्षा के लिये प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- **स्थापना:** वर्ष 1962।
- **उद्देश्य:**
  - काराकोरम दर्रे (लद्दाख) से जचेप ला (अरुणाचल प्रदेश) तक सीमा पर तैनात (भारत-चीन सीमा का 3488 कि.मी. कवर करती है)।
  - भारत-चीन सीमा के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9000 फीट से 18700 फीट की ऊँचाई पर स्थित सीमा चौकियों की निगरानी।

ITBP एक विशेष पर्वतीय सैन्य बल है; जिसे प्राकृतिक आपदाओं का प्रथम प्रतिक्रियाकर्त्ता कहा जाता है

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)

- **स्थापना:** वर्ष 1984 (1986 में अस्तित्व में आया), **ऑपरेशन ब्लू स्टार** के पश्चात्।
- **उद्देश्य:** आतंकवाद-रोधी इकाई/संघीय आकस्मिक बल।
- **टास्क ओरिएंटेड फोर्स- दो पूरक शाखाएँ:**
  - स्पेशल एक्शन ग्रुप (SAG)।
  - स्पेशल रेंजर ग्रुप (SRG)।

सशस्त्र सीमा बल (SSB)

- **स्थापना:** वर्ष 1963
- **उद्देश्य:**
  - भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमाओं की रक्षा करना।
  - सीमा सुरक्षा बढ़ाना, सीमा पार अपराधों पर अंकुश लगाना, अनधिकृत प्रवेश/निकास को रोकना, तस्करी रोकना, आदि।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)

- **स्थापना:** केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत।
- **उद्देश्य:** महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

CISF एक विशेष फायर विंग वाली एकमात्र CAPF यूनिट है

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नागालैंड राज्य दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारतीय प्रधानमंत्री ने नागालैंड के लोगों को उनके राज्य दिवस के अवसर पर बधाई दी तथा राज्य की समृद्ध संस्कृति और राष्ट्र के प्रति योगदान की प्रशंसा की।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - नागालैंड 1 **दिसंबर, 1963 को भारत का 16वाँ राज्य बना**, जिससे नागा लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई।
  - क्षेत्र में **शांति, स्वायत्तता और विकास** सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर वार्ता के बाद इस राज्य का गठन किया गया।
- **सांस्कृतिक पहचान:**
- नागालैंड 16 प्रमुख विशिष्ट जनजातियों का आश्रय है, जैसे- **अंगामी, एओ, कोन्याक और सुमी,** जो अपनी **विशिष्ट बोलियों, रंगीन योद्धा वेशभूषा** और **लोकतांत्रिक ग्राम शासन** के लिये प्रसिद्ध हैं।
  - दिसंबर में मनाया जाने वाला हॉर्नबिल महोत्सव 16 नागा जनजातियों की विरासत को प्रदर्शित करता है और संपूर्ण **विश्व** से पर्यटकों को आकर्षित करता है।

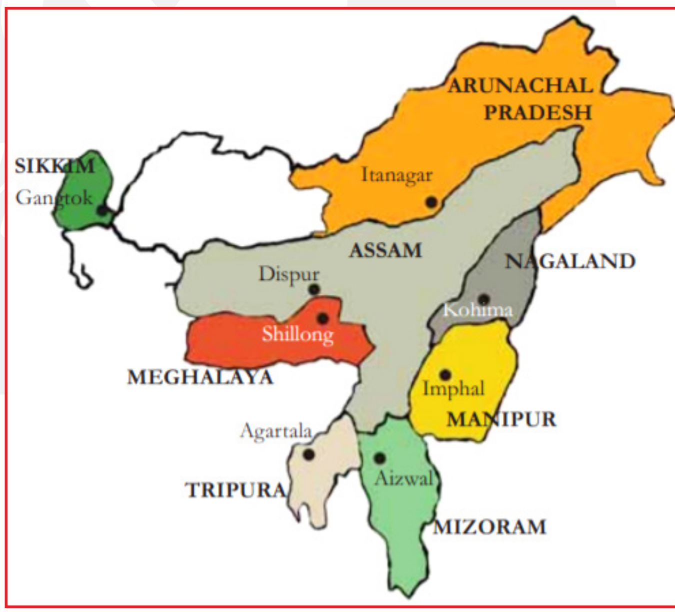

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

चर्चा में क्यों ?

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) के अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में दिव्यांगजन **सशक्तीकरण हेतु** राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 प्रदान किये और समावेशी विकास में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- दिवस के बारे में:
  - **वर्ष 2025 का विषय:** "**Fostering disability-inclusive societies for advancing social progress**" अर्थात सामाजिक प्रगति के लिये दिव्यांगजन-समावेशी समाज का संवर्द्धन।
  - यह विषय भारत के कल्याण-आधारित दृष्टिकोण से अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की ओर बदलाव के अनुरूप है।
    - वर्ष 2015 से अपनाया गया शब्द "**दिव्यांगजन**" विकलांग व्यक्तियों के प्रति सम्मान और गरिमा का प्रतीक है।
- दिव्यांगजनों से संबंधित भारत सरकार की प्रमुख पहलें:
  - दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016: मान्यता प्राप्त दिव्यांगता श्रेणियों को 7 से बढ़ाकर 21 किया तथा सरकारी नौकरियों में आरक्षण 3% से बढ़ाकर 4% किया।
  - **सुगम्य भारत अभियान:** यह एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख मिशन है, जिसका लक्ष्य तीन प्रमुख स्तंभों- निर्मित पर्यावरण, परिवहन और ICT पारिस्थितिकी तंत्रों पर है, ताकि सार्वभौमिक रूप से बाधा रहित अवसंरचना का निर्माण किया जा सके।
  - **विशिष्ट विकलांगता पहचान-पत्र (UDID) परियोजना:** प्रत्येक दिव्यांगजन को एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डाटाबेस के माध्यम से वैश्विक पहचान-पत्र प्रदान करना, जिससे सभी राज्यों में कल्याणकारी लाभों का निर्बाध वितरण सुनिश्चित हो।
  - दिव्यांगजन स्वावलंबन योजना: राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (NDFDC) के माध्यम से स्वरोज़गार उपक्रमों, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिये रियायती ऋण प्रदान।
  - **PM-दक्ष (प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही):** डिजिटल पोर्टल जो मुफ्त कौशल विकास प्रशिक्षण एवं संभावित नियोक्ताओं तथा जॉब एग्रीगेटर्स से प्रत्यक्ष संपर्क प्रदान करता है।
  - SIPDA (**दिव्यांगजन अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु योजना**): राज्य सरकारों और स्वायत्त निकायों को बाधा-मुक्त वातावरण तथा पुनर्वास केंद्रों के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान।

EARTH समिट 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में **गांधीनगर** स्थित महात्मा मंदिर में **EARTH समिट 2025** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - **EARTH समिट** (तीन-भागीय श्रृंखला) का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना, ग्रामीण विकास से संबद्ध चार मंत्रालयों के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का समाधान करना तथा **अगले वर्ष** दिल्ली में आयोजित होने वाले **अंतिम शिखर सम्मेलन तक एक राष्ट्रीय नीति ढाँचा तैयार करना है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **यह ग्रामीण नवाचार, सहकारी-संचालित विकास** और प्रधानमंत्री मोदी के **विकसित भारत** के दृष्टिकोण के लिये एक सहयोगी **ढाँचा** बनाने हेतु 10,000 से अधिक प्रतिनिधियों, 1,200 कॉर्पोरेट्स, 500 विशेषज्ञों, 300 स्टार्टअप्स तथा 250 प्रदर्शकों को एक मंच पर एकत्र करता है।

- **आयोजक:**
  - यह शिखर सम्मेलन **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)** तथा **इंटरनेट एवं मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है।**

- **डिजिटल शुभारंभ:**
  - कार्यक्रम के दौरान, गृह मंत्री ने '**सहकार सारथी**' के अंतर्गत 13 से अधिक नई सहकारी डिजिटल सेवाओं का शुभारंभ किया, जिनमें **Digi-KCC**, सहकारी शासन सूचकांक, **ePACS**, **अनाज भंडारण अनुप्रयोग**, **शिक्षा सारथी** तथा ग्रामीण और शहरी सहकारी बैंकों को एकीकृत करने के लिये प्रौद्योगिकी मंच शामिल हैं।

- **प्रौद्योगिकी एकीकरण:**
  - नाबार्ड का '**सहकार सारथी**' मंच समस्त सहकारी बैंकों को एक तकनीकी छत्र के अंतर्गत लाएगा, जो वैश्विक ऋण प्रणालियों के समकक्ष **आधुनिक बैंकिंग उपकरण**, वास्तविक समय ट्रैकिंग, **KYC**, **दस्तावेज़ीकरण तथा e-KCC सेवाएँ** उपलब्ध कराएगा।

- **मॉडल विस्तार:**
  - गुजरात के ***'सहकारों के मध्य सहकार'*** मॉडल के अंतर्गत सहकारी संस्थाएँ स्वयं सहकारी तंत्र के भीतर बैंकिंग कार्य करती हैं, जिससे कम-लागत वाली जमा राशि में हज़ारों करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है। इस मॉडल का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा।

- **जैविक और प्राकृतिक खेती:**
  - भारत में वर्तमान में 49 लाख प्राकृतिक किसान सक्रिय हैं तथा **40 से अधिक जैविक उत्पाद ऑनलाइन उपलब्ध हैं**। अमूल तथा भारत ऑर्गेनिक्स के सहयोग से एक **राष्ट्रीय जैविक प्रयोगशाला नेटवर्क** का विकास किया जा रहा है, जो निर्यात को प्रोत्साहन देगा। इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 20% तथा वर्ष 2035 तक 40% वैश्विक बाज़ार हिस्सेदारी अर्जित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

हस्तशिल्प पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय **हस्तशिल्प सप्ताह समारोह** के भाग के रूप में 9 दिसंबर, 2025 को **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में वर्ष 2023 और 2024 के लिये प्रतिष्ठित **हस्तशिल्प पुरस्कार** प्रदान करेगा।

मुख्य बिंदु

- **वर्ष 1965** में स्थापित **राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार** उन असाधारण शिल्पकारों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने उत्कृष्ट कलात्मक उत्कृष्टता के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है।
- **गणमान्य व्यक्ति: इस समारोह की अध्यक्षता भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू** करेंगी तथा इसकी अध्यक्षता **केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह करेंगे** तथा **पबित्रा मार्गेरिटा** मुख्य अतिथि होंगे।
- **शिल्प गुरु पुरस्कार:** वर्ष 2002 में शुरू किये गए **शिल्प गुरु पुरस्कार** हस्तशिल्प क्षेत्र में **सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान** हैं, जो **अद्वितीय कौशल और नवाचार** को सम्मानित करते हैं।
- **राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह:** प्रतिवर्ष 8 से 14 दिसंबर तक मनाया जाने वाला यह सप्ताह **प्रदर्शनी, कार्यशालाएँ, प्रदर्शन, वार्ताएँ, संपर्क और सांस्कृतिक कार्यक्रम** आयोजित करता है, ताकि भारत के शिल्पकारों तथा उनकी शिल्प परंपराओं का उत्सव मनाया जा सके।
- **क्षेत्रीय महत्त्व:** हस्तशिल्प क्षेत्र सदियों पुरानी परंपराओं को संरक्षित करता है, ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी भारत में लाखों लोगों की **आजीविका का समर्थन** करता है तथा **राष्ट्रीय निर्यात आय** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ. अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने **महापरिनिर्वाण दिवस** पर **डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर** को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

दिवस के बारे में:

- महापरिनिर्वाण दिवस हर वर्ष 6 दिसंबर को **भारतीय संविधान** के प्रमुख निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- यह दिवस उनके **सामाजिक सुधार, न्याय और समानता** पर पड़े परिवर्तनकारी प्रभाव को सम्मानित करता है।
- "**महापरिनिर्वाण**" शब्द **बौद्ध दर्शन** से लिया गया है, जिसका अर्थ है **जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति** तथा यह बौद्ध कैलेंडर में सबसे **पवित्र दिवस** माना जाता है।

प्रमुख योगदान:

- **सशक्तीकरण:** शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार लाने और **बहिष्कृत समुदायों** को सशक्त बनाने के लिये **बहिष्कृत हितकारिणी सभा** (1923) की स्थापना की।
- **वकालत:** उत्पीड़ितों को मंच प्रदान करने और सामाजिक असमानताओं को चुनौती देने के लिये **मूकनायक (मौन लोगों का नेता)** समाचार-पत्र की स्थापना की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **समानता:** सार्वजनिक जल संसाधनों तक समान पहुँच की वकालत करते हुए **महाड़ सत्याग्रह (1927)** सहित ऐतिहासिक आंदोलनों का नेतृत्व किया।
- **मुक्ति:** वर्ष **1930 में पूजा स्थलों** में जाति-आधारित प्रतिबंधों को तोड़ने के लिये **कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन (नासिक सत्याग्रह)** का नेतृत्व किया, जो अस्पृश्यता के खिलाफ एक व्यापक लड़ाई का प्रतीक था।
- **प्रतिनिधित्व:** पूना समझौते पर बातचीत में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने दलितों के लिये पृथक निर्वाचन क्षेत्रों के स्थान पर **आरक्षित सीटें** स्थापित कीं, जिससे उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- **संविधान:** वर्ष 1947 में नियुक्त प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में, डॉ. अंबेडकर ने विश्व के सबसे बड़े लिखित संविधान को तैयार करने की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया की देख-रेख की।
- **अर्थशास्त्र:** डॉ. अंबेडकर के **डॉक्टोरल शोध** ने भारत में वित्त आयोग की स्थापना और वर्ष 1934 के RBI अधिनियम के नीतिगत ढाँचे को प्रभावित किया।

पुरस्कार और सम्मान:

- **भारत रत्न पुरस्कार:** डॉ. अंबेडकर को वर्ष 1990 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- **अंबेडकर सर्किट:** अंबेडकर के जीवन से जुड़े पाँच स्थानों को तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया गया (**पंचतीर्थ विकास**):
  - **महू** में जन्मस्थान
  - **लंदन** में स्मारक (**शिक्षा भूमि**)
  - **नागपुर** में दीक्षा भूमि
  - **मुंबई** में चैत्य भूमि
  - **दिल्ली** में महापरिनिर्वाण भूमि
- **संविधान दिवस: संविधान वास्तुकार** के रूप में **भूमिका** को सम्मानित करने हेतु वर्ष 2015 से 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मानव अधिकार दिवस

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** 10 दिसंबर, 2025 को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के **मानवाधिकार दिवस** समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - **मानवाधिकार दिवस**, जो प्रतिवर्ष 10 दिसंबर को मनाया जाता है, न्याय शांति तथा समानता की आधारशिला के रूप में **मानवाधिकारों के महत्त्व** को रेखांकित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)

NHRC के अनुसार, मानवाधिकार व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से संबंधित अधिकार हैं जिनकी सुनिश्चितता संविधान द्वारा की गई है या अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों में सन्निहित है, जो भारत में न्यायालयों द्वारा लागू किये जाने योग्य हैं।

- भारत में मानवाधिकारों का प्रहरी
- **स्थापना:** वर्ष 1993 (मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुरूप)
- **अधिनियम:** मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (PHRA), 1993

राज्य मानवाधिकार आयोग

- PHR अधिनियम, 1993 के तहत स्थापित
- **सदस्यों की नियुक्ति:** राज्यपाल द्वारा
- **सदस्यों का निष्कासन:** राष्ट्रपति द्वारा

मानवाधिकार दिवस: 10 दिसंबर

कार्य

- मानवाधिकार उल्लंघन संबंधी शिकायतों की जाँच करना
- मामलों का स्वतः संज्ञान
- मानवाधिकार कार्यान्वयन की समीक्षा और अनुशंसा करना
- मानवाधिकार जागरुकता फैलाना
- मानवाधिकार मुद्दों पर अध्ययन करना, रिपोर्ट प्रकाशित करना

शक्तियाँ

- व्यक्तियों को समन देना, गवाहों की जाँच करना और साक्ष्य प्राप्त करना
- यह सुनिश्चित करने के लिये जेलों और अन्य संस्थानों का निरीक्षण करना कि यहाँ स्थितियाँ मानवीय हैं
- मानवाधिकारों से संबंधित न्यायालयी कार्यवाही में हस्तक्षेप करना

NHRC के सदस्य

संघटन

- 5 पूर्णकालिक सदस्य और 7 मानद सदस्य
- **अध्यक्ष:** सेवानिवृत्त CJI/SC के न्यायाधीश
- **प्रशासनिक प्रमुख:** महासचिव

नियुक्ति

- **6 सदस्यीय समिति** (प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपाध्यक्ष, केंद्रीय गृहमंत्री और संसद के दोनों सदनों के विपक्ष के नेता) की सिफारिशों पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सभी सदस्य

कार्यकाल

- 3 वर्ष / 70 वर्ष की आयु तक (जो भी पहले हो)

निष्कासन

- राष्ट्रपति अध्यक्ष या किसी सदस्य को निष्कासित कर सकता है
- **आधार:** दुर्व्यवहार या अक्षमता के आरोप सिद्ध होने पर

राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थानों का वैश्विक गठबंधन (GANHRI) में स्थिति:

- NHRC को वर्ष 1999 से 'A' श्रेणी का दर्जा प्राप्त है
- **'A' श्रेणी की स्थिति :** वर्ष 2006, 2011 और 2017 में बरकरार रही
- **'A' स्थिति का निलंबन:** वर्ष 2023 और वर्ष 2024

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - **मानवाधिकार दिवस** की स्थापना वर्ष 1950 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (UDHR) के उपलक्ष्य में की गई थी, जिसे 10 दिसंबर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंगीकृत किया गया था और जिसमें सभी व्यक्तियों के लिये मौलिक मानवाधिकारों की रूपरेखा निर्धारित की गई थी।
  - वर्ष 2006 में स्थापित **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद**, अपने **47 सदस्य देशों** (भारत सहित) के माध्यम से वैश्विक मानवाधिकार संरक्षण को सुदृढ़ करती है तथा उल्लंघनों और आपात परिस्थितियों से निपटने हेतु कार्य करती है।
  - परिषद का सचिवालय मानवाधिकार उच्चायुक्त का कार्यालय (OHCHR) है, जो जिनेवा स्विट्ज़रलैंड में स्थित है।
- **समर्थन और कार्रवाई:**
  - यह दिवस घृणास्पद भाषण, **भ्रांत सूचना** तथा मानवाधिकारों के **हनन** का सामना करने के लिये सामूहिक प्रयासों का आह्वान करता है और समानता सहित **निगरानीहीन भेदभाव-रहित व्यवस्था** को प्रोत्साहित करता है।
- **मानवाधिकार और भारत:**
  - **भारतीय संविधान** मौलिक अधिकारों (भाग III) तथा राज्य-नीति के निदेशक तत्त्वों (भाग IV) के माध्यम से मानवाधिकारों की संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
  - **प्रस्तावना** का न्याय स्वतंत्रता समानता तथा बंधुत्व के प्रति संकल्प, UDHR की भावना का प्रतिरूप प्रस्तुत करता है।
  - **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)** जिसकी स्थापना **मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम,** 1993 के तहत की गई थी, देश में मानवाधिकारों के अनुपालन की निगरानी करता है।
- **थीम:**
  - NHRC "**एंश्योरिंग एवरीडे एसेंशियल्स: पब्लिक सर्विसेज़ एंड डिग्निटी फॉर ऑल**" शीर्षक से एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जो **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार दिवस** की थीम "**एवरीडे एसेंशियल्स**" के अनुरूप है।
- **वार्ता:**
  - दो विषयगत सत्र "**बेसिक अमेनिटीज़ टू ऑल: ए ह्यूमन राइट्स एप्रोच**" तथा "**एंश्योरिंग पब्लिक सर्विसेज़ एंड डिग्निटी फॉर ऑल**" में वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों द्वारा सेवा-प्रदायन में विद्यमान अंतरालों तथा समाधान पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

बंगलूरू में UNSW कैंपस

चर्चा में क्यों?

न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय (विश्व स्तर पर **20वें स्थान** पर) बंगलूरू में अपना नया कैंपस स्थापित करने जा रहा है, जिसके साथ वह भारत में संचालन हेतु स्वीकृत **19 विदेशी संस्थानों** में सम्मिलित 7वाँ ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय बन जाएगा।

- यह संस्थान **व्यापार, मीडिया, कंप्यूटर** तथा डेटा विज्ञान सहित साइबर सुरक्षा में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगा तथा UGC से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद आगामी शैक्षणिक वर्ष में कक्षाएँ प्रारंभ होने की संभावना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **कैंपस के बारे में:**
    - तीसरी ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद (AIESC) बैठक में संस्थानों और सरकारों के बीच व्यापक **समझौता ज्ञापन** तथा **आशय पत्रों** पर हस्ताक्षर किये गए, जिससे **भारत-ऑस्ट्रेलिया शिक्षा सहयोग** में बढ़ते विश्वास और दीर्घकालिक रणनीतिक प्रतिबद्धता पर बल मिला।
- **अनुसंधान:**
    - संयुक्त **वैज्ञानिक नवाचार** को आगे बढ़ाने के लिये 9.84 करोड़ रुपये के वित्त पोषण द्वारा समर्थित, **AI, क्वांटम प्रौद्योगिकी, जैव विविधता**, मेडटेक, **स्थिरता, स्मार्ट गतिशीलता** और **अंतरिक्ष** जैसे क्षेत्रों में **SPARC योजना** के तहत दस नई द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गईं।
- **विद्यालय:**
    - पहली बार, AIESC बैठक ने **विद्यालय स्तर पर सहयोग** पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें **CBSE के प्रारंभिक बाल्यकाल पाठ्यक्रम** को **ऑस्ट्रेलिया के फ्रेमवर्क्स** के अनुरूप बनाना और ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती डायस्पोरा सेवा के लिये अधिक **CBSE-संबद्ध स्कूलों** की स्थापना का अन्वेषण शामिल था।
- **नवाचार:**
    - नई **अंतर-संस्थागत पहलोें** में **जेम्स कुक विश्वविद्यालय** के साथ **ओडिशा** में एक समुद्री पारिस्थितिकी अनुसंधान केंद्र और **खनन स्वचालन**, **रसद** तथा **स्थिरता** पर **पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय**, **IIM मुंबई** एवं **IIT धनबाद** के बीच सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अनुकूलन:**
  - **डीकैन विश्वविद्यालय** और **IIT रुड़की** आपदा अनुकूलन में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेंगे, जिससे **जलवायु प्रतिक्रिया**, प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण तथा **आपातकालीन तैयारी** में भारत-ऑस्ट्रेलियाई शैक्षणिक सहयोग को विस्तारित करेगा।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्र ने 7 दिसंबर, 2025 को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया तथा **रक्षा मंत्री** ने **वीर नारियों**, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के **कल्याण** के लिये सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदार योगदान देने का आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

- परिचय:
  - **सशस्त्र सेना झंडा दिवस (AFFD)** प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाता है, जो वर्ष 1949 से भारतीय सशस्त्र बल कर्मियों, विशेषकर **पूर्व सैनिकों** के **साहस और बलिदान** का सम्मान करता है।
  - यह दिवस न केवल **शहीद सैनिकों** के बलिदान को, बल्कि उनके परिवारों, विशेषकर **युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों** और **शहीद सैनिकों की पत्नियों (वीर नारियों)** के योगदान को भी मान्यता देता है।
- ध्वज दिवस कोष (AFFDF):
  - **इस कोष** की स्थापना मूलतः **रक्षा मंत्रालय** द्वारा वर्ष 1949 में की गई थी। वर्ष 1993 में इसे **युद्ध पीड़ितों और पूर्व सैनिकों के विभिन्न कल्याण कोषों को मिलाकर एकीकृत कोष** में समेकित किया गया।
  - केंद्रीय सैनिक बोर्ड (KSB) इसके प्रशासन के लिये उत्तरदायी है।
  - KSB पूरे भारत में **पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों** के लिये **कल्याण तथा पुनर्वास योजनाएँ** निर्मित एवं क्रियान्वित करता है।
- **डिजिटल समाधान:**
  - **व्हाट्सएप-आधारित चैटबॉट, 'SAMBANDH'**, पूर्व सैनिकों को आसानी से अपनी **शिकायतें** दर्ज कराने और उनका **समाधान** करने में मदद करता है। इस प्लेटफॉर्म ने एक वर्ष से भी कम समय में 1,700 से अधिक **मामलों** का समाधान किया है।
- **महिलाओं के लिये कौशल विकास:**
  - महिला सशक्तीकरण पहल का उद्देश्य शहीद सैनिकों की विधवाओं सहित महिलाओं को रोज़गार प्रशिक्षण और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर प्रदान करके सशक्त बनाना है।
- **प्रोजेक्ट नमन (Project NAMAN):**
  - इसका उद्देश्य **पूर्व सैनिकों** के लिये पेंशन सेवाओं को सरल बनाना तथा **जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने** और **पेंशन वितरण** जैसी सेवाओं तक आसान पहुँच सुनिश्चित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बंगलूरू में नया रक्षा MRO हब

चर्चा में क्यों ?

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और **लॉकहीड मार्टिन** ने बंगलूरू में C-130J सुपर हरक्यूलिस विमान के लिये एक नई रक्षा रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO) सुविधा का निर्माण शुरू किया, जिसे **वर्ष** 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- विस्तार:
  - यह सुविधा C-130J, KC-130J और C-130 B-H सहित विभिन्न **विमान प्रकारों** को समर्थन प्रदान करेगी तथा **लॉकहीड मार्टिन** के प्रमाणित **सेवा केंद्रों** के वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा बनेगी।
- स्थान:
  - केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट **भटरामरेनहल्ली** में स्थित यह केंद्र **डिपो स्तर के रखरखाव**, **भारी ओवरहाल**, **उपकरण मरम्मत**, **संरचनात्मक** जाँच और **एवियोनिक्स उन्नयन** का कार्य सँभालेगा।
- **प्रशिक्षण:**
  - MRO भारतीय **इंजीनियरों** और **तकनीशियनों** के लिये प्रशिक्षण के अवसरों का विस्तार करेगा, घरेलू **एयरोस्पेस कौशल** को सुदृश करेगा तथा **C-130 आपूर्ति शृंखला** में भारतीय आपूर्तिकर्त्ताओं के लिये नए अवसर सृजित करेगा।
- **तत्परता:**
  - **लॉकहीड मार्टिन** ने ज़ोर दिया कि यह सुविधा भारतीय वायु सेना के 12 **C-130J विमानों** की निरंतरता और **परिचालन तत्परता** को बढ़ावा देगी, जिसका व्यापक रूप से **सामरिक एयरलिफ्ट** तथा **मानवीय कार्यों** में उपयोग किया जाता है।
- **साझेदारी:**
  - यह परियोजना **दीर्घकालिक भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी** में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जो सात दशकों से अधिक के सहयोग और बढ़ते **औद्योगिक सहयोग** को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **स्वदेशीकरण:**
  - **टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स** ने कहा कि **MRO केंद्र** भारत के **रक्षा आत्मनिर्भरता** लक्ष्यों के अनुरूप है तथा '**'मेक इन इंडिया'**' के तहत घरेलू **क्षमता**, **नवाचार** और **प्रतिस्पर्द्धात्मकता** को बढ़ाता है।
- **सहयोग:**
  - यह सुविधा **टाटा-लॉकहीड मार्टिन एयरोस्ट्रक्चर्स लिमिटेड** की सफलता पर आधारित है, जिसने हाल ही में अपना 250वाँ **C-130J टेल** वितरित किया है, जो एक परिपक्व **एयरोस्पेस विनिर्माण साझेदारी** को रेखांकित करता है।
- **समय रेखा:**
  - निर्माण कार्य वर्ष **2026 के अंत तक पूरा** होने की योजना है और पहला **C-130 विमान** वर्ष **2027 की शुरुआत** में बंगलूरू सुविधा में **MRO संचालन** के लिये प्रवेश करेगा।

वैश्विक ऊर्जा नेताओं का शिखर सम्मेलन (GELS) 2025

चर्चा में क्यों ?

ओडिशा के पुरी में आयोजित **वैश्विक ऊर्जा नेताओं का शिखर सम्मेलन** (GELS) 2025 में **केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी** ने वैश्विक **स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तनों** को आकार देने में **भारत** की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला और इस शिखर सम्मेलन को **नीति निर्माताओं**, **नवप्रवर्तकों** तथा **उद्योग जगत** के नेताओं के लिये एक प्रमुख **मंच** के रूप में स्थापित किया।

मुख्य बिंदु

- **विज़न:**
  - GELS 2025 ने दीर्घकालिक **सामुदायिक अभ्यास** की शुरुआत को चिह्नित किया, जिसमें **भारत** का विश्वास है कि **ओडिशा** जैसे राज्य **राष्ट्रीय हरित विकास** और **ऊर्जा नवाचार** के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे।
- **रिकॉर्ड:**
  - GELS में मंत्री ने भारत की **गैर-जीवाश्म क्षमता** में अब तक की सर्वाधिक वार्षिक वृद्धि, **31.25 गीगावाट**, जिसमें **24.28 गीगावाट सौर ऊर्जा** शामिल है, की घोषणा की, जो देश की **स्वच्छ ऊर्जा** के क्षेत्र में तेज़ी से हो रही प्रगति को दर्शाता है।
- **योगदान:**
  - उन्होंने रेखांकित किया कि विश्व ने वर्ष 2024 तक अपनी दूसरी टेरावाट **नवीकरणीय क्षमता** जोड़ ली है, जबकि भारत ने अकेले वर्ष 2022-24 के बीच **46 गीगावाट सौर ऊर्जा** का योगदान दिया, जिससे वह **विश्व स्तर** पर तीसरा सबसे बड़ा **योगदानकर्त्ता** बन गया।
- **विकास:**
  - GELS ने भारत के **परिवर्तनकारी सौर विस्तार** को रेखांकित किया, जो 11 वर्षों में **2.8 गीगावाट** से बढ़कर लगभग **130 गीगावाट** हो गया, जो **4,500% की वृद्धि** है, जिससे भारत तीव्र **नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग** के लिये एक **वैश्विक मॉडल** बन गया।
- **संतुलन:**
  - शिखर सम्मेलन में भारत के सामने **दूसरी सबसे बड़ी कोयला उपभोक्ता** होने की **दोहरी चुनौती** पर विचार किया गया, साथ ही वैश्विक **औद्योगिक और व्यापार परिवर्तनों** के बीच प्रतिस्पर्द्धी बने रहने के लिये **नवीकरणीय ऊर्जा** का विस्तार करने पर भी चर्चा हुई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **क्षमता:**
  - GELS में **ओडिशा** की **स्वच्छ ऊर्जा प्रगति** पर प्रकाश डाला गया, जिसमें **3.1 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता** है, जो इसकी कुल **विद्युत क्षमता** का 34% है और राज्य स्तर पर मज़बूत **अपनापन** दर्शाता है।
- **पहल:**
  - शिखर सम्मेलन में एक प्रमुख घोषणा **ओडिशा** के लिये PM सूर्य घर के तहत **1.5 लाख रूफटॉप सौर ULA मॉडल** को स्वीकृति देना था, जिससे **7-8 लाख लोगों**, विशेष रूप से **कम आय वाले परिवारों** को लाभ मिलने की संभावना है।
  - GELS ने ओडिशा के **रूफटॉप सोलर अपनाने** पर प्रकाश डाला: **1.6 लाख आवेदन, 23,000 से अधिक इंस्टॉलेशन्स** और **147 करोड़ रुपए की सब्सिडी** 19,200 परिवारों को हस्तांतरित की गई, जो **मज़बूत कार्यान्वयन** को दर्शाता है।

सी. राजगोपालाचारी जयंती

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर, 2025 को चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (राजाजी) की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए भारत के स्वतंत्रता संग्राम, प्रशासनिक चिंतन तथा सामाजिक सशक्तीकरण में उनके **बहुमूल्य और दूरदर्शी योगदान** को स्मरण किया।

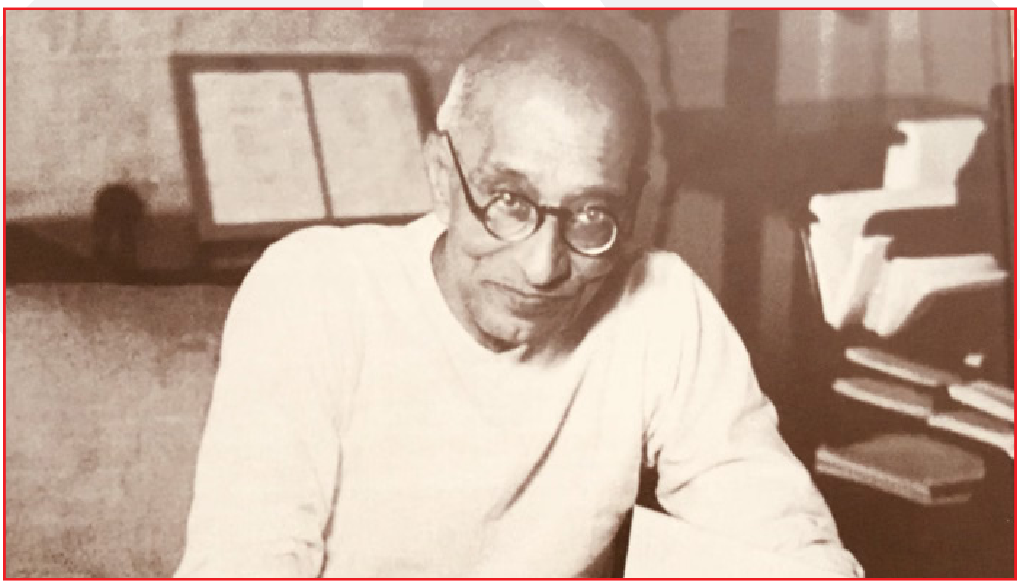

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** सी. राजगोपालाचारी का जन्म 10 दिसंबर, 1878 को **मद्रास प्रांत** (वर्तमान तमिलनाडु) के सलेम में हुआ था। वर्ष 1899 में उन्होंने विधि में स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही सलेम में अपनी वकालत शुरू की।
- **राजनीतिक तथा सामाजिक सुधार:** राजगोपालाचारी, **लॉर्ड कर्ज़न** द्वारा सांप्रदायिक आधार पर किये जाने वाले बंगाल विभाजन के निर्णय से प्रभावित होने के साथ **लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक** के पूर्ण स्वतंत्रता के आह्वान से प्रेरित हुए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) में शामिल हुए तथा उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- वर्ष 1917 में राजगोपालाचारी सलेम नगर पालिका के अध्यक्ष बने तथा उन्होंने पिछड़े वर्गों के सामाजिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया। वर्ष 1925 में उन्होंने सामाजिक उत्थान हेतु मद्रास प्रांत में एक आश्रम की स्थापना की।
  - इस आश्रम द्वारा दो पत्रिकाएँ प्रकाशित की गईं- ***विमोचनम (तमिल) और प्रोहिबिशन (अंग्रेज़ी)।***

- **स्वतंत्रता संग्राम: रॉलेट एक्ट के विरोध में हुए आंदोलन** के दौरान राजाजी ने चेन्नई, तमिलनाडु में इस आंदोलन का नेतृत्व किया।
  - वर्ष 1930 में **दांडी मार्च के दौरान** राजगोपालाचारी ने मद्रास प्रांत में तिरुचि से वेदारण्यम तक नमक मार्च का नेतृत्व किया (जिसे **वेदारण्यम सत्याग्रह** के रूप में भी जाना जाता है)।
    - **वेदारण्यम सत्याग्रह** के दौरान उनकी गिरफ्तारी के साथ ही उन्हें **स्वतंत्रता आंदोलन** में एक नेता के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली।
  - **भारत छोड़ो आंदोलन** के बाद राजगोपालाचारी के पैम्फलेट ***"द वे आउट"*** **में मुस्लिम लीग** एवं कांग्रेस के बीच एक अलग मुस्लिम राज्य के संबंध में संवैधानिक गतिरोध को हल करने के क्रम में **सी.आर. फार्मूले** की रूपरेखा प्रस्तुत की गई थी।
- **मद्रास प्रांत के प्रधानमंत्री: वर्ष 1937** में राजगोपालाचारी **मद्रास प्रांत के प्रधानमंत्री** बने।
  - **उन्होंने खादी को बढ़ावा देने** के साथ **ज़मींदारी उन्मूलन** एवं स्कूलों **में हिंदी की शुरुआत** सहित अन्य सामाजिक तथा आर्थिक सुधारों को लागू करने में भूमिका निभाई।
  - उन्होंने **दलितों के जीवन स्तर को बेहतर** करने एवं **सामाजिक समानता** को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।
- **स्वतंत्रता के बाद योगदान: राजगोपालाचारी को पश्चिम बंगाल का गवर्नर** नियुक्त किया गया तथा आगे चलकर वर्ष **1947 में वे स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर-जनरल भी बने** (वर्ष 1950 में इस पद को स्थायी रूप से समाप्त कर दिया गया)।
  - उन्होंने मुस्लिमों को मुख्यधारा में एकीकृत करने के साथ भारत के **पंथनिरपेक्ष स्वरूप** को बनाए रखने की दिशा में कार्य किया।
  - **उन्होंने सरदार पटेल** की मृत्यु के बाद केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में कार्य किया तथा **प्रथम पंचवर्षीय योजना** के साथ ही प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
  - वर्ष 1959 में राजगोपालाचारी ने बाज़ार अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही सरकारी नियंत्रण को कम करने का समर्थन करने के क्रम में **स्वतंत्र पार्टी** का गठन किया।
  - वर्ष 1962 में राजाजी ने अमेरिका में **गांधी पीस फाउंडेशन** के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए **परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध** लगाने का आग्रह किया।
  - ***राजगोपालाचारी ने चक्रवर्ती थिरुमगन*** (**जिसे वर्ष 1958 में साहित्य अकादमी पुरस्कार** मिला) नाम से रामायण का तमिल में अनुवाद किया।
- **विरासत:** सी. राजगोपालाचारी को **वर्ष 1954 में** '**भारत रत्न**' से सम्मानित किया गया। वे यह **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पाने वाले प्रथम** व्यक्ति थे।
- 25 दिसंबर, 1972 को राजगोपालाचारी का निधन हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सुजलाम भारत ऐप

चर्चा में क्यों ?

जल शक्ति मंत्रालय ने **सुझलाम भारत ऐप** लॉन्च किया है, जो जल जीवन मिशन (JJM) के अंतर्गत एक प्रमुख डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणाली का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** सुजल **गाँव ID (डिजिटल पहचान)** प्रत्येक बस्ती के लिये एक **स्पष्ट डिजिटल प्रोफाइल** प्रदान करेगी, जिसमें उसके **पेयजल स्रोत,** बुनियादी ढाँचे की स्थिति, आपूर्ति की विश्वसनीयता, जल की गुणवत्ता और संचालन एवं रखरखाव व्यवस्थाओं का विवरण होगा।
- **उद्देश्य:** यह मंच **ग्राम पंचायतों, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (VWSCs)** और सेवा प्रदाताओं के प्रदर्शन में **पारदर्शिता बढ़ाएगा, साथ ही सामुदायिक भागीदारी** तथा **निगरानी को प्रोत्साहित करेगा।**
- **विकास: इसे** भास्करचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N) के सहयोग से विकसित किया गया है।
- **एकीकरण: जल नेटवर्क,** परिसंपत्ति सूची, जल गुणवत्ता डेटा और **सामुदायिक प्रतिक्रिया** के सटीक **भू-स्थानिक मानचित्रण** के लिये इसे PM गति शक्ति GIS के साथ एकीकृत किया गया है।
- **महत्त्व** : इस ऐप को **"ग्रामीण जल प्रणालियों के लिये आधार" के रूप में परिकल्पित किया गया है।** यह ग्रामीण जल वितरण प्रणाली को **पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित** बनाने में आधार का काम करेगा।

प्राडा द्वारा कोल्हापुरी डील साइन

चर्चा में क्यों ?

इतालवी लग्जरी ब्रांड प्राडा ने लगभग 2,000 जोड़ी **कोल्हापुरी चप्पलों** का एक सीमित संस्करण संग्रह लॉन्च करने के लिये एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

- **भारत में निर्मित:** ये सैंडल **महाराष्ट्र और कर्नाटक** में बनाए जाएंगे, जिनमें पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल को प्राडा के समकालीन डिज़ाइन के साथ जोड़ा जाएगा।
- **कीमत और उपलब्धता:** कोल्हापुरी सैंडल की कीमत लगभग 800 यूरो (930 डॉलर) होगी और ये फरवरी से **विश्व भर** के चुनिंदा प्राडा स्टोर्स के साथ-साथ इसकी वेबसाइट पर भी उपलब्ध होंगे।
- **उत्पत्ति एवं भूगोल:** यह **कोल्हापुर (महाराष्ट्र)** और आस-पास के ज़िलों जैसे- **सांगली, सतारा और सोलापुर** में **हस्तनिर्मित** है, जो 12वीं-13वीं शताब्दी से संबंधित है तथा मूल रूप से **शाही परिवार** के लिये तैयार की गई थी।
- **कारीगरी:** इसे **गाय, भैंस या बकरी** द्वारा वनस्पति-टैन (vegetable-tanned) चमड़े से निर्मित किया गया है, **पूरी तरह से हाथ से निर्मित** है, इसमें **कील या कृत्रिम घटकों का उपयोग** नहीं किया गया है।
- **डिज़ाइन की विशेषताएँ:** यह अपने **टी-स्ट्रैप आकार, बारीक बुनाई** और खुले पंजे वाले डिज़ाइन के लिये जाना जाता है, जो ज़्यादातर **टैन** या **गहरे भूरे रंग** में उपलब्ध होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भौगोलिक संकेत (GI) का दर्जा:** इसे वर्ष 2019 में भौगोलिक संकेत (GI) का दर्जा दिया गया था, जिसमें **महाराष्ट्र और कर्नाटक के आठ ज़िले** शामिल हैं।
  - **GI टैग** विशिष्ट **भौगोलिक मूल** वाले उत्पादों की पहचान करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उस क्षेत्र के केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ता** ही उस नाम का उपयोग कर सकें।

प्रणब मुखर्जी की जयंती

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 11 दिसंबर, 2025 को राष्ट्रपति भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति **प्रणब मुखर्जी** की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रमुख बिंदु

- **प्रारंभिक जीवन:** उनका जन्म 11 दिसंबर, 1935 को **पश्चिम बंगाल के मिराती** में हुआ था। वे एक स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र थे और भारत की स्वतंत्रता में अपने पिता के योगदान से प्रेरित थे।
- **शिक्षा और कॅरियर:** उन्होंने **कलकत्ता विश्वविद्यालय** से इतिहास, राजनीति विज्ञान और कानून में डिग्री प्राप्त की तथा वर्ष 1969 में राजनीति में प्रवेश करने से पूर्व एक कॉलेज शिक्षक एवं पत्रकार के रूप में कार्य किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राजनीतिक अनुभव:** उन्होंने विदेश, रक्षा, वाणिज्य और वित्तमंत्री सहित विभिन्न उच्च पदों पर कार्य किया जिसके साथ ही वे **संसद के दोनों सदनों के लिये कई बार निर्वाचित भी हुए**।
- **प्रमुख योगदान:** उन्होंने वर्ष 2004 से 2012 तक अपने कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक सुधारों, **खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, UIDAI, मेट्रो रेल** और अन्य संबंधित **नीतिगत निर्णयों** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **कूटनीतिक भूमिका:** उन्होंने IMF, विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र महासभा और राष्ट्रमंडल सम्मेलन जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- **राष्ट्रपति पद:** पाँच दशकों से अधिक के विशिष्ट राजनीतिक कॅरियर के बाद, वे 25 जुलाई, 2012 को **भारत के 13वें राष्ट्रपति बने**।
- **पुरस्कार:** उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए, जिनमें वर्ष 2008 में पद्म विभूषण, **सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार, 1997** और कई अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट शामिल हैं।
- **प्रकाशन एवं मान्यता:** एक विपुल लेखक के रूप में, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण पर व्यापक रूप से लेखन किया तथा उन्हें **वर्ष 1984 और वर्ष 2010 में विश्व के सर्वश्रेष्ठ वित्त मंत्रियों में से एक** के रूप में मान्यता दी गई।

भारत को जूनियर हॉकी में ऐतिहासिक कांस्य पदक

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 में कांस्य पदक जीतने** पर भारत की पुरुष जूनियर हॉकी टीम को बधाई दी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **ऐतिहासिक उपलब्धि:** भारत ने **जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता**, यह वर्ष 2016 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टूर्नामेंट में पहला पदक है।
- **कांस्य पदक मैच:** कांस्य पदक मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 0-2 से पीछे छोड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-2 से हराया।
- **टूर्नामेंट का फाइनल:** जर्मनी ने निर्धारित समय में **1-1 से ड्रॉ** रहने के बाद पेनल्टी शूटआउट में **स्पेन** को **3-2 से हराकर** अपना आठवाँ जूनियर विश्व कप खिताब जीता।
- **राष्ट्रीय प्रेरणा:** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टीम के शानदार प्रदर्शन से देश भर के **अनगिनत युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा** मिलेगी।

राज कुमार गोयल ने CIC पद की शपथ ली

चर्चा में क्यों?

भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी **राज कुमार गोयल** ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष केंद्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) पद की शपथ ली।

राज कुमार गोयल ने **पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल समरिया** का स्थान लिया, जिनके पद छोड़ने के बाद यह पद सितंबर 2025 से रिक्त था।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** राज कुमार गोयल वर्ष **1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी रहे हैं**, जो मूल रूप से **जम्मू-कश्मीर कैडर के थे**। वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद वे अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिज़ोरम और केंद्रशासित प्रदेश (AGMUT) कैडर के सदस्य बन गए।
- अगस्त 2025 में उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग के सचिव पद से सेवानिवृत्ति ली। अपने कार्यकाल के दौरान गोयल ने गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय में भी महत्त्वपूर्ण सेवाएँ दीं।
- **सूचना आयुक्तों की नियुक्ति:** ववर्तमान में **आनंदी रामलिंगम और विनोद कुमार तिवारी** सूचना आयुक्त (IC) के पद पर कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, **जया वर्मा सिन्हा, स्वागत दास, संजीव कुमार जिंदल, सुरेंद्र सिंह मीना तथा खुशवंत सिंह सेठी** को सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति हेतु अनुशंसित किया गया है।

केंद्रीय सूचना आयोग

- **स्थापना:** इसकी स्थापना **RTI अधिनियम, 2005 के अंतर्गत** एक **वैधानिक निकाय** (संवैधानिक निकाय नहीं) के रूप में की गई थी।
- **संरचना: इस अधिनियम के अनुसार** केंद्रीय सूचना आयोग में एक **मुख्य सूचना आयुक्त (CIC)** तथा अधिकतम **10 केंद्रीय सूचना आयुक्त** हो सकते हैं।
- **नियुक्ति:** सदस्यों की नियुक्ति भारत के **राष्ट्रपति** द्वारा एक **समिति की सिफारिशों के आधार पर** की जाती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल होते हैं:
  - प्रधानमंत्री (अध्यक्ष)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- लोकसभा में विपक्ष के नेता
- प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक **केंद्रीय कैबिनेट मंत्री।**

- **पात्रता और छूट: विधि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, प्रबंधन, पत्रकारिता या शासन** में अनुभव वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति।
  - **सांसद, विधायक नहीं होना** चाहिये, या किसी **लाभ के पद पर नहीं होना चाहिये।**
  - किसी **राजनीतिक दल से संबद्धता, व्यवसाय** या **पेशेवर गतिविधि** की अनुमति नहीं होती।
  - ये **पुनर्नियुक्ति के पात्र नहीं हैं।**
- **CIC की शक्तियाँ:** गवाहों को बुलाना, दस्तावेज़ों का निरीक्षण करना, सार्वजनिक अभिलेखों की मांग करना तथा जाँच के लिये समन जारी करना।
- **कार्य: इसकी प्राथमिक भूमिका RTI अधिनियम, 2005 के** प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना और नागरिकों के सूचना के अधिकार को बनाए रखना है।
  - **यह न्यायालय केंद्र सरकार और केंद्रशासित प्रदेशों के कार्यालयों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों** तथा अन्य संस्थाओं से संबंधित मामलों का समाधान करता है।

भारत में पारंपरिक चिकित्सा पर द्वितीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन

चर्चा में क्यों?

भारत 17-19 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर **द्वितीय** WHO **वैश्विक शिखर सम्मेलन** की मेज़बानी करेगा, जो वर्ष 2023 में गांधीनगर, गुजरात में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन पर आधारित है।

मुख्य बिंदु

- आयोजक: यह सम्मेलन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और आयुष मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, ताकि पारंपरिक चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य तथा कल्याण पर वैश्विक संवाद को आगे बढ़ाया जा सके।
- **विषय:** सम्मेलन का विषय है "**लोगों और ग्रह के लिये संतुलन बहाल करना: कल्याण का विज्ञान** तथा **अभ्यास**", जिसमें न्यायसंगत एवं सतत स्वास्थ्य प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **वैश्विक विस्तार:** 100 से अधिक देशों के नीति-निर्माता और नेतृत्वकर्त्ता पारंपरिक चिकित्सा की भविष्य की भूमिका को आकार देने हेतु इसमें भाग लेंगे।
- **उद्देश्य:** यह कार्यक्रम पारंपरिक चिकित्सा की प्रासंगिकता को पुन: पुष्टि करने के साथ-साथ इसे विज्ञान, साक्ष्य और ज़िम्मेदार अभ्यास के आधार पर **राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में एकीकृत करने को बढ़ावा देगा।**
- **WHO रणनीति:** चर्चाएँ WHO की **वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025-2034** के अनुरूप होंगी, जिसका उद्देश्य जन-स्वास्थ्य सेवा और **ग्रह कल्याण** को बढ़ावा देना है।
- **सामूहिक सत्र:** प्रमुख विचार-विमर्श में स्वास्थ्य प्रणालियों में संतुलन पुनर्स्थापित करना, वैज्ञानिक निवेश, शासन, जैवविविधता संरक्षण और स्वदेशी अधिकार शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नवाचार और साक्ष्य:** सम्मेलन में **कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों** के नैतिक उपयोग के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा को ज़िम्मेदारी से बढ़ावा देने के लिये नवीन दृष्टिकोणों पर ज़ोर दिया जाएगा।
- **विविध मुद्दे:** 25 से अधिक सत्रों में **विनियमन, एकीकरण,** जैवविविधता संरक्षण तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों पर चर्चा की जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

- **स्थापना:** इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को की गई थी और इसका मुख्यालय **ज़िनेवा, स्विट्ज़रलैंड** में स्थित है।
- **प्रकार:** यह **वैश्विक जन स्वास्थ्य** के लिये संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- **सदस्यता:** जनवरी 2025 तक इसके **194 सदस्य देश** हैं।
- **उद्देश्य:** WHO का मुख्य उद्देश्य **स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना** और **वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थितियों की प्रभावी प्रतिक्रिया देना** है।
- **वर्तमान महानिदेशक:** संगठन के वर्तमान महानिदेशक **डॉ. टेड्रोस एडनोम घेब्रेयेसस** (2017 से) हैं।

परमाणु ऊर्जा रूपांतरण विधेयक, 2025

चर्चा में क्यों?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री **डॉ. जितेंद्र सिंह** ने भारत के परमाणु ऊर्जा से संबंधित विधिक ढाँचे के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से संसद में **सतत परमाणु ऊर्जा दोहन तथा संवर्द्धन विधेयक, 2025** प्रस्तुत किया।

मुख्य बिंदु

- **नया विधिक ढाँचा:** यह विधेयक परमाणु ऊर्जा के लिये एक व्यापक कानून का प्रस्ताव करता है, जिसके तहत परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 तथा **परमाणु क्षति के लिये नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010** को निरस्त किया जाएगा।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** इसका उद्देश्य परमाणु स्थापित क्षमता का विस्तार करना है, ताकि डेटा सेंटर जैसी भविष्य की आवश्यकताओं के लिये विश्वसनीय, स्वच्छ तथा **चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की** जा सके।
- **कार्बन उत्सर्जन में कमी:** यह विधेयक भारत की दीर्घकालिक जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है, जिनमें **वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु विद्युत क्षमता** का लक्ष्य तथा **वर्ष 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन प्राप्त** करने का संकल्प शामिल है।
- **निजी भागीदारी:** यह परमाणु ऊर्जा विकास में घरेलू उद्योग तथा निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
- **नियामक तंत्र:** विधेयक **लाइसेंसिंग, सुरक्षा प्राधिकरण, निलंबन तथा निरस्तीकरण** से संबंधित अद्यतन प्रावधान प्रस्तुत करता है, जिससे नियामक निगरानी को सुदृढ़ किया जा सके।
- **नागरिक दायित्व:** परमाणु क्षति से संबंधित एक **संशोधित नागरिक दायित्व ढाँचा प्रस्तावित** किया गया है, ताकि सुरक्षा, जवाबदेही और मुआवज़ा तंत्र को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।
- **संस्थागत ढाँचा:** विधेयक में **परमाणु ऊर्जा निवारण सलाहकार परिषद, दावा आयुक्तों** तथा **परमाणु क्षति दावा आयोग** जैसे निकायों का प्रावधान किया गया है।
- **प्रौद्योगिकी विस्तार:** परमाणु ऊर्जा के साथ-साथ विकिरण आधारित प्रौद्योगिकियों को भी एक आधुनिक नियामक संरचना के अंतर्गत शामिल किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **राष्ट्रीय दृष्टिकोण:** समग्र रूप से, यह विधेयक **स्वच्छ ऊर्जा विस्तार**, सुरक्षा तथा जनहित के बीच संतुलन स्थापित करते हुए परमाणु प्रशासन के आधुनिकीकरण की भारत की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है।

परमाणु ऊर्जा

- परमाणु ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो परमाणु के **नाभिक में संचित होती है** और **नाभिकीय अभिक्रियाओं** के परिणामस्वरूप मुक्त होती है।
- इसका उपयोग **विद्युत उत्पादन, चिकित्सा क्षेत्र, अंतरिक्ष अनुसंधान तथा परमाणु हथियारों** में किया जाता है।
- परमाणु ऊर्जा के दो प्रमुख स्रोत नाभिकीय विखंडन और नाभिकीय संलयन हैं।
- **पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र:** तारापुर, महाराष्ट्र (1969)
- **सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र:** राजस्थान– अधिकतम परमाणु ऊर्जा उत्पादन
- **अन्य प्रमुख संयंत्र:** काकरापार (गुजरात), कुडनकुलम और कलपक्कम (तमिलनाडु), नरोरा (उत्तर प्रदेश)
- **रिएक्टर प्रकार:** PHWR (सर्वाधिक), BWR (तारापुर), फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (कलपक्कम)
- **ईंधन:** यूरेनियम और थोरियम (भारत में थोरियम का सबसे बड़ा भंडार है)।

रक्षा संपदा दिवस का शताब्दी वर्ष समारोह

चर्चा में क्यों ?

रक्षा मंत्री **राजनाथ सिंह ने 16 दिसंबर, 2025** को दिल्ली छावनी स्थित रक्षा संपदा भवन में रक्षा संपदा दिवस **समारोह** की अध्यक्षता की, जो रक्षा संपदा विभाग की **100वीं वर्षगाँठ** को चिह्नित करता है

मुख्य बिंदु

- **समारोह एवं सम्मान:** रक्षा मंत्री द्वारा 61 छावनी बोर्डों में रक्षा भूमि प्रबंधन तथा नगर प्रशासन के क्षेत्र में **सार्वजनिक सेवा** में उत्कृष्ट योगदान के लिये **रक्षा मंत्री पुरस्कार** प्रदान किये गए।
- **शताब्दी का महत्त्व:** यह आयोजन रक्षा संपदा विभाग की 100वीं वर्षगाँठ का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1765 में बैरकपुर से हुई और **16 दिसंबर, 1926** को इसे औपचारिक स्वरूप प्रदान किया गया।
- **रक्षा संपदा की भूमिका:** रक्षा मंत्रालय के अधीन यह विभाग **भारत सरकार की सर्वाधिक व्यापक** भू-संपत्ति का प्रबंधन करता है।
- **डिजिटल परिवर्तन:** ई-छावनी जैसी पहलों के माध्यम से भूमि प्रबंधन का आधुनिकीकरण किया गया है, जिसके तहत लगभग **20 लाख छावनी निवासियों को 100 प्रतिशत नगरपालिका सेवाएँ ऑनलाइन** उपलब्ध कराई जा रही हैं।
- **पुरस्कार एवं मान्यता:** जल संरक्षण तथा जल निकायों के पुनरुद्धार में योगदान के लिये '**जल संचय जन-भागीदारी**' श्रेणी में राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किया।
- **डिजिटलीकरण:** विरासत में प्राप्त भूमि अभिलेखों का पूर्ण डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे उनका संरक्षण, आसान पुनर्प्राप्ति तथा सुरक्षित अभिलेखीकरण सुनिश्चित हुआ है।
- **रक्षा भूमि प्लेटफॉर्म:** केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर '**रक्षा भूमि**' सुरक्षित सर्वरों पर सभी रक्षा भूमि अभिलेखों के एकीकृत भंडार के रूप में कार्य करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उन्नत सर्वेक्षण उपकरण:** भूमि की सटीकता तथा प्रबंधन में सुधार के लिये **डिफरेंशियल GPS, GIS उपकरणों** तथा उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह चित्रों का उपयोग किया जा रहा है।
- **प्रौद्योगिकी नवाचार: उपग्रह एवं मानवरहित रिमोट वाहन पहल** पर आधारित **उत्कृष्टता केंद्र** के माध्यम से AI/ML तथा उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए अगली पीढ़ी के रक्षा भूमि प्रबंधन समाधान विकसित किये जा रहे हैं।

भारत और ADB के बीच विकास ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार और एशियाई विकास बैंक (ADB) ने विभिन्न प्रमुख विकास परियोजनाओं का समर्थन करने के लियः कुल 2.2 अरब डॉलर से अधिक के **पाँच ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर** किये।

मुख्य बिंदु

- **क्षेत्रीय प्रभाव:** परियोजनाएँ **तीन राज्यों (असम, मेघालय और तमिलनाडु)** में फैली हुई हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों तथा राज्यों में विकास को बढ़ावा देंगी।
- **ऋण राशि:** भारत और **ADB के बीच 2.2 अरब डॉलर से अधिक** मूल्य के समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं।
- **आवृत परियोजनाएँ:** इनमें कौशल विकास, रूफटॉप सोलर प्रणाली, **स्वास्थ्य सेवा, मेट्रो रेल और** इकोटूरिज्म कार्यक्रम शामिल हैं।
- **कौशल विकास पहल: प्रधानमंत्री कौशल एवं रोज़गार क्षमता परिवर्तन के तहत उन्नत ITIs कार्यक्रम** का समर्थन करती है।
- **सौर ऊर्जा कार्यक्रम:** प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (PMSGMBY) के तहत सस्ते और समावेशी रूफटॉप सोलर सिस्टम विकास को गति देने के लिये निधि प्रदान करता है।
- **स्वास्थ्य परियोजना:** इसमें **असम राज्य तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल संवर्द्धन परियोजना (ASTHA)** शामिल है।
- **शहरी परिवहन: चेन्नई मेट्रो रेल निवेश परियोजना (Tranche 2)** का समर्थन करता है।
- **इकोटूरिज्म एवं आजीविका:** मेघालय में **संपूर्ण इकोटूरिज्म और सतत कृषि-आधारित आजीविका विकास** के लिये वित्तपोषण प्रदान करता है।
- **मुख्य कार्यक्रम:** ये ऋण भारत के राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, **स्वास्थ्य सेवा, शहरी अवसंरचना और कौशल विकास** को आगे बढ़ाएंगे।

एशियाई विकास बैंक (ADB)

- **स्थापना:** ADB एक क्षेत्रीय विकास बैंक है, जिसकी **स्थापना वर्ष 1966** में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- **मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस**
- **सदस्य:** वर्तमान में इसके **68 सदस्य** हैं, जिनमें से 49 एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र के भीतर और 19 अन्य क्षेत्रों से हैं।
- **उद्देश्य:** आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन और सतत विकास को बढ़ावा देना।
- **भारत-ADB:** भारत ADB का **संस्थापक सदस्य** और सबसे बड़े उधारकर्त्ताओं में से एक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भू-स्थानिक मिशन पर राष्ट्रीय भू-स्थानिक कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग **ने 'भू-स्थानिक मिशन: विकसित भारत का एक प्रवर्तक'** शीर्षक से भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **उद्घाटन एवं स्थल:** कार्यशाला का **उद्घाटन डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा 17 दिसंबर, 2025** को **यशोभूमि, नई दिल्ली** में किया गया।
- **उद्देश्य: भारत के भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना** और राष्ट्रीय **भू-स्थानिक मिशन को आगे बढ़ाना**।
- **प्रतिभागी: इसमें नीति-निर्माता, प्रौद्योगिकीविद, उद्योग जगत के नेतृत्वकर्त्ता और संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ** शामिल हुए।
- **घोषणा:** राष्ट्रीय **भू-स्थानिक मिशन (केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित)** का उद्देश्य **भू-माप संबंधी ढाँचों का आधुनिकीकरण करना, भू-स्थानिक अवसंरचना को बढ़ाना, डेटा का मानकीकरण करना और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना है।**
- **महत्त्व: यह** उन्नत भू-स्थानिक क्षमताओं के माध्यम से विकसित भारत@ 2047 **की** परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मार्च 2027 तक 25,000 जन औषधि केंद्र

चर्चा में क्यों ?

सरकार ने **मार्च 2027 तक** भारत में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों (PMBJK) **की संख्या बढ़ाकर 25,000 करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।**

मुख्य बिंदु

- **वर्तमान स्थिति: 30 नवंबर, 2025** तक संपूर्ण देश में कुल 17,610 जन औषधि केंद्र (PMBJK) खोले जा चुके हैं, जबकि वर्ष 2014 में इनकी संख्या केवल 80 थी, जो इस योजना के **महत्त्वपूर्ण विस्तार** को दर्शाता है।
- **लक्ष्य निर्धारित:** सरकार ने **मार्च 2027** तक **जन औषधि केंद्रों** की संख्या **25,000 तक बढ़ाने** का लक्ष्य रखा है, ताकि **कम लागत वाली गुणवत्तापूर्ण** जेनेरिक दवाओं तक पहुँच और बेहतर हो सके।

जन औषधि केंद्र के बारे में:

- यह **सरकार समर्थित रिटेल आउटलेट योजना** है, जो **सस्ते दामों में गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ** उपलब्ध कराती है।
- **जागरूकता:** योजना के तहत **बिक्री की बढ़ती मात्रा** और **उत्पाद शृंखला का विस्तार** जनता में **जन औषधि दवाओं के प्रति विश्वास एवं जागरूकता** को दर्शाता है।
- **उद्यमी भागीदारी: जन औषधि केंद्रों** की बढ़ती व्यवहार्यता और आकर्षण के कारण **पिछले वित्तीय वर्ष में आउटलेट्स में 37%** और **MRP बिक्री मूल्य में 38%** की वृद्धि हुई।
- **आवेदन प्रक्रिया: जन औषधि केंद्रों** के लिये आवेदन **व्यक्तिगत उद्यमियों, गैर-सरकारी संगठनों, समितियों, ट्रस्ट, फर्म और कंपनियों** से **आधिकारिक जन औषधि वेबसाइट** के माध्यम से **ऑनलाइन** आमंत्रित किये जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सहकार सारथी

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने ग्रामीण सहकारी बैंकों (RCB) के **आधुनिकीकरण** और डिजिटल सशक्तीकरण के लिये **सहकार सारथी** नामक **साझा सेवा इकाई (SSE)** की स्थापना की है।

मुख्य बिंदु

- **सहकार सारथी की स्थापना:** ग्रामीण सहकारी बैंकों की **तकनीकी और सेवा क्षमताओं** को सुदृढ़ करने के लिये **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** की स्वीकृति से **सहकार सारथी (SSE)** की स्थापना की गई है।
- **पंजीकरण की तिथि:** सहकारी बैंकिंग के **डिजिटलीकरण** के लिये साझा अवसंरचना प्रदान करने के उद्देश्य से इस संस्था का पंजीकरण **21 जुलाई, 2025** को किया गया था।
- **अधिकृत पूंजी एवं शेयरधारिता:** सहकार सारथी की **अधिकृत पूंजी 1,000 करोड़** रुपये है, जिसमें NABARD, **NCDC** और **ग्रामीण सहकारी बैंक** समान रूप से **33.33% शेयरधारिता** रखते हैं।
- **प्रदान की जाने वाली सेवाएँ:** यह साझा **आधुनिक बैंकिंग अवसंरचना** और **डिजिटल सेवाएँ** प्रदान करती है, जिनमें शामिल हैं: **कॉमन कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (CBS), AEPS और UPI जैसे डिजिटल भुगतान,** साइबर सुरक्षा, **IT गवर्नेंस** आदि।
- **उद्देश्य और प्रभाव:** इस पहल का उद्देश्य **RCB को आधुनिक, मानकीकृत और डिजिटल बैंकिंग सेवाएँ** प्रदान करना, **ग्राहकों तक पहुँच बढ़ाना** तथा **अन्य विनियमित वित्तीय संस्थानों** के समान **परिचालन दक्षता में सुधार** करना है।

नमस्ते योजना: सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों का सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

नेशनल एक्शन फॉर मेकेनाईज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम (NAMASTE) योजना के तहत **4,800 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों (ULB)** को शामिल करते हुए एक **राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण** किया गया, जिसका उद्देश्य **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSW)** की पहचान करना तथा **स्वच्छता कार्य में उनकी सुरक्षा एवं गरिमा** को सुदृढ़ करना था।

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण का उद्देश्य:**
  - इस सर्वेक्षण का उद्देश्य **नमस्ते योजना** के अंतर्गत **सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों (SSW)** की पहचान करना था (न कि मैनुअल स्कैवेंजर्स), ताकि बेहतर कार्य परिस्थितियाँ और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें।
- **मृत्यु दर:**
  - **राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK)** के अनुसार, **2019 और अक्तूबर 2025** के बीच खतरनाक **सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई** के कारण **471 सफाई कर्मचारियों** की मृत्यु हुई।
- **कानूनी निषेध:**
  - **मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोज़गार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013** की धारा 7 **सीवर या सेप्टिक टैंक में खतरनाक प्रवेश** को **निषिद्ध** करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **नमस्ते योजना:**
  - यह योजना **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग** द्वारा, **आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय** के समन्वय में वित्तीय **वर्ष 2023-24** में शुरू की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **सीवर और सेप्टिक टैंकों में मैन्युअल प्रवेश** को समाप्त करना, **शून्य मृत्यु दर** प्राप्त करना और **श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा** के लिये **मशीनीकृत सफाई** को बढ़ावा देना है।
  - **योजना के घटक:** इसमें **आपातकालीन प्रतिक्रिया स्वच्छता इकाइयों (ERSU)** के लिये सुरक्षा उपकरण, **मशीनीकृत उपकरणों** के लिये पूंजीगत सब्सिडी, **व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण** और **खतरनाक सफाई नियंत्रण पर कार्यशालाएँ** शामिल हैं।
  - स्वच्छ भारत मिशन - शहरी (SBM-U) 2.0 के तहत, **प्रयुक्त जल प्रबंधन (UWM)** घटक **मशीनीकरण के माध्यम से खतरनाक सीवर/सेप्टिक टैंक में पानी के प्रवेश** को समाप्त करने पर केंद्रित है।

आंध्र प्रदेश में व्हाइट स्पॉट डिज़ीज़

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने **आंध्र प्रदेश** में मत्स्यपालन क्षेत्र में **व्हाइट स्पॉट डिज़ीज़** और अन्य जलीय पशु रोगों की निगरानी एवं नियंत्रण के लिये प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत किये गए उपायों के संबंध में जानकारी दी।

मुख्य बिंदु

- **व्हाइट स्पॉट डिज़ीज़ (WSSV) पुष्टि:** आंध्र प्रदेश में फील्ड टीमों ने मत्स्य पालन के नमूने एकत्र किये; निष्क्रिय निगरानी में 4 और सक्रिय निगरानी में 23 नमूनों में **व्हाइट स्पॉट सिंड्रोम वायरस (WSSV)** की पुष्टि हुई।
- **रोग निगरानी कार्यक्रम:** PMMSY के तहत 33.78 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय जलीय पशु रोग निगरानी कार्यक्रम (NSPAAD) को देशव्यापी स्तर पर जलीय रोगों का पता लगाने और प्रबंधन के लिये कार्यान्वित किया गया है।
- **नमूना विश्लेषण:** नमूनों का विश्लेषण **काकीनाडा स्थित राज्य मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (SIFT)** में किया जाता है।
- **बीमा सहायता:** मत्स्यपालन फसल बीमा योजना के तहत आंध्र प्रदेश के 85 मत्स्यपालकों को कवर किया गया; वर्ष 2025 में 5.21 लाख रुपये के दावों का वितरण किया गया।
- **दिशा-निर्देश: तटीय मत्स्य पालन प्राधिकरण** ने WSSV के प्रकोप को रोकने हेतु SPF झींगा/प्रजनन केंद्रों, हैचरी, फार्म, स्वास्थ्य निगरानी और SPF प्रमाणन के दिशा-निर्देश जारी किये।
- **जैव सुरक्षा उपाय:** रोगों के प्रसार को सीमित करने के लिये आयातित झींगा प्रजनन स्टॉक का अनिवार्य संगरोध और तटीय मत्स्य पालन प्राधिकरण के साथ झींगा हैचरी एवं फार्मों का पंजीकरण अनिवार्य किया गया।
- **प्रयोगशाला निगरानी:** झींगा और पानी के नमूनों की **PCR-आधारित रोग निगरानी** रोग का शीघ्र पता लगाने एवं नियंत्रण में सहायक है।
- **वैकल्पिक कृषि प्रणालियाँ:** सरकार रोग जोखिम कम करने और जैव सुरक्षा एवं स्थिरता बढ़ाने के लिये **बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी (BFT)** एवं **पुनर्चक्रण मत्स्य पालन प्रणाली (RAS)** को बढ़ावा देती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025

चर्चा में क्यों ?

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER) ने राइजिंग नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 के उद्देश्यों और मुख्य क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **आयोजन:** राइजिंग नॉर्थ-ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 का आयोजन **पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER)** द्वारा भारत के **पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने** के लिये किया गया।
- **प्रमुख लक्षित क्षेत्र:** इस समिट के मुख्य लक्षित क्षेत्र पर्यटन और आतिथ्य, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित क्षेत्र, वस्त्र, हथकरघा तथा हस्तशिल्प, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल विकास, IT/ITeS, मनोरंजन व खेल, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स तथा ऊर्जा थे।
- **निवेश रुचि:** शिखर सम्मेलन और इसके रोडशो के माध्यम से निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा **4.48 लाख करोड़** रुपये के समझौता ज्ञापनों, आशय-पत्रों एवं निवेश प्रस्तावों की सामूहिक रुचि व्यक्त की गई।
- **निवेशक मंच:** यह समिट पूर्वोत्तर भारत को **निवेश, व्यापार और औद्योगिक विकास के केंद्र** के रूप में स्थापित करने तथा निवेशकों को साझेदारी एवं सहयोग के अवसर प्रदान करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करती है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ:** क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा पहलें जैसे PM सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना, PM कुसुम, सौर पार्क परियोजनाएँ, ऑफ-ग्रिड विद्युतीकरण ((PM JANMAN), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) और पूरे पूर्वोत्तर में बायो-गैस संयंत्र स्थापना शामिल हैं।

नई दिल्ली में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 26 दिसंबर, 2025 को **नई दिल्ली** में आतंकवाद विरोधी सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **उद्घाटनकर्त्ता:** केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री **अमित शाह** ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की।
- **उद्देश्य:** सम्मेलन का लक्ष्य भारत की **आतंकवाद-रोधी तैयारियों** तथा **अंतर-एजेंसी समन्वय** को सुदृढ़ करना है।
- **आयोजक:** सम्मेलन का आयोजन **गृह मंत्रालय** के अधीन राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) द्वारा किया गया है।
- **विज़न:** यह पहल **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** के **आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता** विज़न से प्रेरित है।
- **मुख्य क्षेत्र:** प्रमुख क्षेत्रों में **विदेशी साक्ष्य संग्रह, डिजिटल फोरेंसिक, आतंकवाद-रोधी जाँच में डेटा विश्लेषण** तथा **आतंकवाद के वित्तपोषण नेटवर्क को बाधित करना** शामिल है।
- **कट्टरपंथ का सामना:** विशेषकर **डिजिटल प्लेटफार्मों** के माध्यम से होने वाले **कट्टरपंथीकरण** और **भर्ती प्रक्रियाओं** की रोकथाम पर ज़ोर दिया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

भारत में आतंकवाद से संबंधित ढाँचा

- **परिचय:** आतंकवाद **हिंसा और धमकी का, विशेष रूप से नागरिकों के विरुद्ध, मंशापूर्ण एवं अवैध उपयोग** है, जिसका उद्देश्य भय उत्पन्न करना तथा राजनीतिक, धार्मिक या वैचारिक लक्ष्य प्राप्त करना है।
- यह **भय, व्यवधान और अनिश्चितता का माहौल** बनाकर सरकारों या समाजों को प्रभावित करने का ध्येय रखता है।
- भारत आतंकवाद के विरुद्ध **'शून्य सहिष्णुता' की नीति** के साथ कठोर रुख रखता है।
- हालाँकि **आतंकवाद की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं** है, जिससे विशिष्ट गतिविधियों को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत करना कठिन हो जाता है।
- यह अस्पष्टता आतंकवादियों को लाभ पहुँचाती है और कुछ देशों को चुप रहने तथा वैश्विक संस्थाओं में किसी कार्रवाई पर वीटो लगाने में सक्षम बनाती है।

किम्बर्ले प्रक्रिया की अध्यक्षता करेगा भारत

चर्चा में क्यों?

भारत को 1 **जनवरी, 2026** से किम्बर्ले प्रक्रिया (Kimberley Process- KP) की **अध्यक्षता** करने के लिये चयनित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **किम्बर्ले प्रक्रिया:**
  - किम्बर्ले प्रक्रिया (Kimberley Process) हीरों के अवैध व्यापार पर रोक लगाने के उद्देश्य से आरंभ की गई एक **अंतर्राष्ट्रीय बहुपक्षीय पहल** है।
  - यह ऐसे हीरों के व्यापार पर अंकुश लगाने की प्रक्रिया है जिनका इस्तेमाल विद्रोही गुटों द्वारा चुनी हुई सरकारों के खिलाफ संघर्ष एवं युद्ध के वित्तपोषण के लिये किया जाता है।
- **त्रिपक्षीय संरचना:**
  - किम्बर्ले प्रक्रिया **सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज संगठनों की एक संयुक्त पहल है**।
- **मुख्यालय:**
  - इसका कोई औपचारिक संगठन नहीं है; इसका संचालन **सदस्य देशों** तथा **बारी-बारी से अध्यक्षता** करने वाले देशों के माध्यम से किया जाता है।
- **प्रमाणन योजना:**
  - **किम्बर्ले प्रक्रिया प्रमाणन योजना (KPCS)** को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जनादेश के अंतर्गत **1 जनवरी, 2003** से लागू किया गया।
- **वैश्विक कवरेज:**
  - **किम्बर्ले प्रक्रिया** में यूरोपीय संघ एवं उसके सदस्य देशों सहित कुल **60 प्रतिभागी** सम्मिलित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **भारत की भूमिका:**
  - यह तीसरी बार है (2008, 2019 और 2026) **जब** भारत को इसके नेतृत्व की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

वीर बाल दिवस

चर्चा में क्यों ?

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा युवा नायकों की बहादुरी और उनके आदर्श मूल्यों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 26 दिसंबर, 2025 को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाया गया।

मुख्य बिंदु

- **वीर बाल दिवस:** यह दिवस **साहिबजादों** के सर्वोच्च **बलिदान** को सम्मानित करने के लिये मनाया जाता है अर्थात गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों की स्मृति में, जिन्होंने वर्ष **1705** में जबरन धर्मांतरण के विरोध में **शहादत** प्राप्त की थी।
- **प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार:** भारत की राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने वीरता, कला, विज्ञान, सामाजिक सेवा, पर्यावरण और खेल के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिये बच्चों को यह पुरस्कार प्रदान किया।
- **पुरस्कार विजेता:** इस वर्ष 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 20 बच्चों को इस पुरस्कार के लिये चयनित किया गया।
- **समारोह का विवरण:** पुरस्कार समारोह **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में आयोजित किया गया।

गुरु गोबिंद सिंह:

- **परिचय:**
  - **दस सिख गुरुओं में से अंतिम गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 22 दिसंबर,1666 को पटना, बिहार में हुआ था।**
    - उनकी जयंती **नानकशाही कैलेंडर** पर आधारित है।
  - गुरु गोबिंद सिंह अपने पिता '**गुरु तेग बहादुर**' यानी नौवें सिख गुरु की मृत्यु के बाद 9 वर्ष की आयु में 10वें सिख गुरु बने।
  - वर्ष 1708 में उनकी हत्या कर दी गई थी।

अगरबत्ती के लिये नया BIS मानक

चर्चा में क्यों ?

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री **प्रल्हाद जोशी** ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 के अवसर पर नई दिल्ली के **भारत मंडपम** में उपभोक्ताओं की सुरक्षा और उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु **अगरबत्ती के लिये नया** BIS मानक जारी किया।

मुख्य बिंदु

- **मानक: IS 19412:2025 – अगरबत्ती (Incense Sticks)**, जिसे **भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)** द्वारा विकसित किया गया है।
- **भारतीय मानक ब्यूरो:**
  - यह भारत का **राष्ट्रीय मानक निकाय** है, जिसकी स्थापना **भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016** के अंतर्गत हुई थी। BIS गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के निर्धारण तथा प्रमाणन के लिये ज़िम्मेदार है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **उपभोक्ता विश्वास:** IS 19412:2025 के अनुरूप उत्पाद **BIS मानक चिह्न** धारण करने के पात्र होंगे, जिससे उपभोक्ताओं को सुरक्षित, परीक्षित और गुणवत्ता-सुनिश्चित अगरबत्तियों की पहचान करने में सहायता मिलेगी।
- **निषिद्ध पदार्थ:** यह मानक एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कीटनाशक रसायनों के उपयोग को प्रतिबंधित करता है।
- **उत्पाद:** यह मानक **मशीन से निर्मित, हाथ से निर्मित और पारंपरिक मसाला अगरबत्तियों** पर लागू होता है, जिसमें कच्चे माल, जलने की गुणवत्ता, सुगंध प्रदर्शन तथा अनुमेय रासायनिक सीमाओं के लिये मानदंड निर्धारित किये गए हैं।

FIDE विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने FIDE विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2025 में **कांस्य पदक** जीतने पर भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर **अर्जुन एरिगैसी** और **कोनेरू हंपी** को हार्दिक बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- **स्थल:** यह चैंपियनशिप **दोहा, कतर** में आयोजित की गई।
- **पदक विजेता: अर्जुन एरिगैसी** और **कोनेरू हंपी**।
  - अर्जुन एरिगैसी ने **पुरुष वर्ग** में और कोनेरू हंपी ने **महिला वर्ग** में **कांस्य पदक** प्राप्त किया।
- **FIDE विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप 2025:** इस चैंपियनशिप में **13-चरणीय स्विस प्रणाली** प्रारूप के अंतर्गत **रैपिड समय-नियंत्रण** अपनाया जाता है, जिसमें खिलाड़ियों की उच्च गति में निर्णय क्षमता और कौशल की परीक्षा होती है।
  - **स्वर्ण पदक (पुरुष वर्ग): मैग्नस कार्लसन** (नॉर्वे)।
  - **स्वर्ण पदक (महिला वर्ग): जू वेनजुन** (चीन)।

के-4 बैलिस्टिक मिसाइल

चर्चा में क्यों?

भारत ने परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों से 3,500 किलोमीटर प्रति घंटे की मारक क्षमता वाली **के-4 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का** सफल परीक्षण किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रक्षेपण मंच:** यह प्रक्षेपण **भारतीय नौसेना** की **परमाणु ऊर्जा से संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (SSBN) INS अरिघात** से **बंगाल की खाड़ी** में किया गया।
- **सामरिक महत्त्व:** यह परीक्षण भारत की **समुद्र-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता** को सुदृढ़ करता है तथा देश की **परमाणु त्रय (Nuclear Triad)**- भूमि, वायु और समुद्र से परमाणु हथियारों की तैनाती की क्षमता, को मज़बूती प्रदान करता है।
- **द्वितीय-हमला क्षमता:** के-4 मिसाइल का यह सफल परीक्षण भारत की **द्वितीय-हमला क्षमता** को सशक्त बनाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि किसी भी प्रारंभिक परमाणु हमले के पश्चात भी भारत प्रभावी एवं निर्णायक प्रत्युत्तर देने में सक्षम रहेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **DRDO की भूमिका: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)** द्वारा विकसित के-4 मिसाइल **ठोस ईंधन तकनीक** एवं **उन्नत नेविगेशन प्रणालियों** से युक्त है, जो इसकी विश्वसनीयता तथा सटीकता को बढ़ाती है।
- **बैलिस्टिक मिसाइलों की विशेषताएँ:**
  - बैलिस्टिक मिसाइलें **रॉकेट द्वारा** संचालित **हथियार प्रणालियाँ** होती हैं, जो प्रक्षेपण के बाद मुख्यत: **मुक्त-पतन पथ** का अनुसरण करती हैं। ये **पारंपरिक या परमाणु युद्धक** ले जाने में सक्षम होती हैं और इन्हें **भूमि, समुद्र या वायु** से प्रक्षेपित किया जा सकता है।
- **मारक क्षमता के आधार पर वर्गीकरण:**
  - **छोटी दूरी की मिसाइलें:** 1,000 किमी से कम
  - **मध्यम दूरी की मिसाइलें:** 1,000–3,000 किमी
  - **मध्यवर्ती दूरी की मिसाइलें:** 3,000–5,500 किमी
  - **लंबी दूरी/अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें (ICBM):** 5,500 किमी से अधिक
- **अग्नि-V:**
  - **अग्नि-V** भारत की **सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल** है, जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता वाली एक **ICBM मिसाइल** है।

भारत टैक्सी पहल

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने **'भारत टैक्सी'** नामक अपनी तरह की पहली **ड्राइवर-स्वामित्व वाली सहकारी राइड-हेलिंग पहल** का शुभारंभ किया है, जिसका उद्देश्य निजी टैक्सी एग्रीगेटरों के विकल्प के रूप में **निष्पक्ष, पारदर्शी और न्यायसंगत परिवहन सेवा** उपलब्ध कराना है।

मुख्य बिंदु

- **भारत टैक्सी:** यह **सरकार समर्थित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है,** जिसे एक **सहकारी मॉडल के रूप में विकसित किया गया है,** जहाँ ड्राइवर पारंपरिक निजी कंपनियों पर निर्भर रहने के बजाय **शेयरधारक और सह-मालिक होते हैं।**
- **उद्देश्य:** इस योजना का उद्देश्य **टैक्सी चालकों को** उचित आय सुनिश्चित करके सशक्त बनाना, निजी एग्रीगेटरों (जैसे ओला और उबर) पर निर्भरता कम करना तथा **यात्रियों को किफायती, पारदर्शी परिवहन सेवाएँ प्रदान करना है।**
- **सहकारी संरचना:** यह सेवा **सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित की जाती है।**
- **लॉन्च: यह सेवा 1 जनवरी, 2026** से पूरे देश में शुरू होने वाली है।
- **ड्राइवर के लिये लाभ:** ड्राइवर के स्वामित्व वाला मॉडल, कोई कमीशन नहीं और लाभ साझाकरण।
- **यात्रियों के लिये लाभ:** पारदर्शी मूल्य निर्धारण, किफायती यात्राएँ और अनेक वाहन विकल्प।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2026
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME